रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3989] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 11, 2019/ अग्रहायण 20, 1941
No. 3989] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 11, 2019/AGRAHAYANA 20, 1941

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 2019

का.आ. 4440(अ).—एक प्रारुप अधिसूचना भारत के राजपत्र, असाधारण में भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ.3362(अ), तारीख 9 जुलाई, 2018, द्वारा प्रकाशित की गई थी, जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से, जिसको उक्त अधिसूचना को अन्तर्विष्ट करने वाले राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं, साठ दिन की अवधि के भीतर आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किए गए थे;

और, उक्त प्रारूप अधिसूचना अन्तर्विष्ट करने वाले राजपत्र की प्रतियां जनता को तारीख 9 जुलाई, 2018, को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और, प्रारुप अधिसूचना के उत्तर में व्यक्तियों और पणधारियों से कोई भी आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए;

और, सक्करकोट्टई पक्षी अभयारण्य जिसे "सक्करकोट्टई कनमोई" के नाम से जाना जाता है, दक्षिणी तमिलनाडु के रामानाथापुरम जिले के रामानाथापुरम तालुका में स्थित है। यह सक्करकोट्टई, राजासुरीयामदई और अचादिपिराम्बु राजस्व ग्रामों का भाग है। यह अभयारण्य रामनाद मुख्य नगर से लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर है। यह अनेक प्रवासी, आवासी पक्षियों और पौधों की कई प्रजातियों के लिए वास है। सक्करकोट्टई पक्षी अभयारण्य तमिलनाडु के रामानाथापुरम जिला में अक्षांश 09°21'8'' उ और देशांतर 078°48'50'' पू के बीच स्थित है और क्षेत्र **2.30495 वर्ग किलोमीटर (230.495 हेक्टेयर)** में फैला हुआ है। सक्करकोट्टई को तारीख 17 अप्रैल, 2012 के का.आ. एमएस संख्या 114, ई एण्ड एफ (एफ आर.5)

के द्वारा पक्षी अभयारण्य घोषित किया गया है और वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 की उप-धारा (1) के अर्थ और दायरे के अंतर्गत पक्षी अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किया गया;

और, सक्करकोट्टई पक्षी अभयारण्य में लगभग खतरे में पड़ी प्रजातियों की बहुलता है जैसे कि पेलिकन, पेंटेड स्टोर्क, यूरेशियन स्पून बिल, व्हाइट इबिस, डार्टर, फ्लेमिंगो और जल पक्षी जैसे कि सामान्य कुट, पिन टेल, गर्गनी, इग्रेट, कॉर्मोरेंट्स, ब्लैक विंगड स्टिल्ट, किंग फिशर, सामान्य मैना, ब्राह्मणी काईट, स्पोटेड ओवेलेट आदि। यह क्षेत्र विभिन्न पक्षी-जीवों के महत्वपूर्ण और अद्वितीय पर्यावास के लिए जाना जाता है जो 42 से अधिक पक्षी प्रजातियों के लिए पारिस्थितिकी सतत पर्यावास प्रदान करता है। विभिन्न प्रकार की प्रवासी पक्षियों में से कई खाने के लिए देशों के विभिन्न भागों से आती हैं। ऋतु के दौरान लगभग 5000 पक्षियों की 30 प्रजातियों को सूचीबद्ध किया गया है और महत्त्वपूर्ण पक्षियों में सफेद इबिस, काला इबिस, ओपन-बिल्ड स्टोर्क, इग्रेट, मैना, टिल्स, बतख, डार्टस, बगुला, पेलिकेन्स आदि शामिल हैं:,

और, आर्द्रभूमि गहराई में अनियमित है और यदि वर्षा सामान्य है, तो 3 से 5 महीने तक जल रूका रहता है।सफल प्रबंधन उपायों पर विचार करने से विविध प्रजनन प्रजातियों और शीतकालीन प्रजातियों को विविधता में वृद्धि करने के लिए आकर्षित किया जाएगा जो बदले में अधिक पर्यटकों, पक्षीविदों और छात्रों को आकर्षित करेगा। पक्षियों को देखने के लिए अभयारण्य का दौरा करने का सबसे अच्छा समय नवंबर-जनवरी है जब पक्षियों की संख्या और प्रजाति की विविधता अधिक होती है। अभयारण्य मूल रूप से सिंचाई टैंक है जिसका उपयोग अक्टूबर से जनवरी तक पूर्वोत्तर मानसून द्वारा रिचार्ज किए गए कृषि के लिए जल भंडारण के लिए किया जाता है। टैंक मार्च से अगस्त तक पूरी तरह सूख जाता है;

और, अभयारण्य मूल रूप से सिंचाई टैंक है, यहां अभयारण्य के अंतर्गत कोई प्राकृतिक वन नहीं है। वन विभाग के द्वारा बबूल (अकाकिया निलोटिका) बागानों को स्थापित किया जाता है। टैंक बांध और फोरशोर में अन्य प्रमुख वनस्पति न्यूरिवी (*आचाथेश एस्पेरा* एल.), पानाई (*बोरासस फ्लैबेलिफर* एल.), इरुक्कु (*कैलोट्रोपिस गिगांटे* (एल.) आर.बीआर.), अवराम, अवाराई (*सेन्ना ऑरिकुलटाटा* (एल.) रोक्सब.), पुलिआ मरम (*तामारिंडस इंडिका* एल.), नाई कदुगु, नाई वालाई (*क्लियोम विस्कोसा* एल.) आदि हैं;

और, अभयारण्य में सिंचाई टैंक होने के कारण बहुत ही कम जीवजन्तु प्रजातियां (पक्षी-जीव को छोड़कर) हैं जिसमें भारतीय ग्रे नेवला (*हर्पेस्टेस एडवडर्सी*), भारतीय पाल्म गिलहरी (*फनंबुलस पाल्मरुम*), सियार (*कैनिस ऑरियस*), बैंडीकूट रैट (*बैंडीकोटा बेंगलेंसिस*), आदि शामिल हैं। अभयारण्य में पक्षियों, तितलियों, कीड़े-मकोड़ों, सरीसृपों और उभयचरों की विविधता है। पक्षियों के उदाहरण स्पॉट-बिल्ड पेलिकन (*पेलेकनस फिलिपेंसिस*), ग्रेट कॉर्मोरेंट (*फालाक्रोकोरैक्स कार्बो*), डार्टर (*अनिंगा मेलानोगस्टर*), लार्ज इग्रेट (*कैस्मेरोडियस अल्बस*), आदि हैं; सरीसृपों के उदाहरण हाउस गेको (*हेमिडैक्टिलस फ्रैनाटस*), स्पॉटेड भारतीय गेको (*हेमिडैक्टिलस ब्रूकी*), गार्डन लिजर्ड (*कैलोट्स वर्सीकलर*), ग्रीन लिज़र (*कैलोट्स कैलोट्स*), मॉनिटर लिजार्ड (*वाराणस बेंगलेंसिस*), सामान्य भारतीय स्किंक (*यूट्रोफिस कैरिनाटा*), आदि हैं; उभयचरों के उदाहरण सामान्य भारतीय टोड (*दत्ताफ्राइनस मेलेनोस्टिक्टस*), ऑर्नेट नारो मॉथेड मेंढक (*माइक्रोहिला ऑर्नेट*), सामान्य स्कीटरिंग मेंढक (*यूप्लिक्टिस साइनोफ्लिक्टिस*), आदि हैं;

और, अभयारण्य में दुर्लभ, लुप्तप्राय और संकटापन्न प्रजातियां हैं। दुर्लभ प्रजातियों में ग्रेट कॉर्मोरेंट(*फालाक्रोकोरैक्स कार्बो*), पर्पल बगुला (*आर्देया सिनेरेरिया*), कॉम्ब डक (*सर्किडियोरिस मेलेनोटोस*), उत्तरी शोवेलर (*अनास क्लाइपाटा*), सामान्य टील (*अबस क्राका*), सामान्य रेडशैंक (*ट्रिंगा टेटनस*) और सामान्य ग्रीनहैंक (*ट्रिंगा नेबुल्यिया*) आदि हैं। अभयारण्य में संकटापन्न प्रजातियों में स्पॉट-बिल पेलिकन (*पेलेकनस फिलिपेंसिस*) और पेंटेड स्टोर्क (*माईक्टेरिया लियूकोसेफाला*) अभिलिखित है;

और, अभयारण्य के आसपास के एकमात्र ग्रामों में सक्करकोट्टई, राजसुरीमादाई, वन्निगुड़ी, पालकरई और अचादिपिराम्बु हैं और ये सक्करकोट्टई पंचायत के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। तीन ग्रामों में 2559 परिवार हैं और कुल परिवारों में से लगभग आधा गरीबी रेखा से नीचे देखे जाते हैं। इन ग्रामों में, कुल मानव जनसंख्या 9303 है और गायों, बैल, बकरियों और

भेड़ों समेत कुल संख्या 827 है। अधिकांश लोग वर्षा कृषि पर निर्भर करते हैं जबकि शेष दैनिक मजदूरी मजदूरों के रूप में अपनी आजीविका कमाते हैं। भू-क्षेत्र मुख्य रूप से कृषि है और ग्राम की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है। भेड़, गाय और कुक्कुट जैसे पशुधन पालन ग्रामों की अर्थव्यवस्था मजबूत करने में सहायक है। कृषि का समय न होने पर कुछ ग्रामीण अपनी आय बढ़ाने के लिए चारकोल विनिर्माण कार्य में भी लगे होते है;

और, सक्कारकोट्टई पक्षी अभयारण्य के चारों ओर के क्षेत्र को, जिसका विस्तार और सीमाएं पारिस्थितिकी पर्यावरणीय से पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में पैरा 1 में विनिर्दिष्ट हैं, जैव विविधिता की दृष्टि सुरक्षित और संरक्षित करना और उक्त पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उद्योगों या उद्योगों के वर्गों के प्रचालन और प्रसंस्करण करने को प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) (जिसे इस अधिनियम में इसके पश्चात पर्यावरण अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) और उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तमिलनाडु राज्य के रामानाथापुरम जिला में सक्कारकोट्टई पक्षी अभयारण्य की सीमा के चारों ओर 0 (शून्य) किलोमीटर से 2.0 किलोमीटर तक विस्तारित क्षेत्र सक्कारकोट्टई पक्षी अभयारण्य को पारिस्थितिकी संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा गया है), के रूप में अधिसूचित करती है, जिसके विवरण निम्नानुसार है, अर्थात्:-

1. **पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार और उसकी सीमाएं.**-(1) पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार सक्कारकोट्टई पक्षी अभयारण्य की सीमा के चारों ओर 0 (शून्य) किलोमीटर से 2.0 किलोमीटर तक है और पारिस्थितिकी संवेदी जोन का क्षेत्र 19.0387 वर्ग किलोमीटर है। (पारिस्थितिकी संवेदी जोन का शून्य विस्तार एस आई पी सी ओ टी के विकसित स्थल के पूर्वी भाग की ओर है।)

(2) सक्कारकोट्टई पक्षी अभयारण्य और इसके पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण **उपाबंध-I** के रूप में संलग्न है।

(3) सीमा विवरण और अक्षांश और देशांतर के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के सक्कारकोट्टई पक्षी अभयारण्य के मानचित्र **उपाबंध–IIक, उपाबंध–IIख, उपाबंध–IIग** और **उपाबंध–IIघ** के रूप में संलग्न है।

(4) पारिस्थितिकी संवेदी जोन और सक्कारकोट्टई पक्षी अभयारण्य की सीमा के भू निर्देशांकों की सूची **उपाबंध III** की सारणी **क** और सारणी **ख** में दी गई है।

(5) मुख्य बिंदुओं के भू-निर्देशांकों के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची **उपाबंध IV** के रूप में संलग्न है।

2. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना– (1) राज्य सरकार, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजनों के लिए राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और राज्य के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के लिए इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए आंचलिक महायोजना तैयार करेगी।

(2) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आचंलिक महायोजना ऐसी रीति से जो इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किए गए हैं के अनुसार तथा सुसंगत केंद्रीय और राज्य विधियों के अनुरुप और केंद्रीय सरकार द्वारा जारी मार्गनिर्देशों, यदि कोई हों, द्वारा तैयार होगी ।

(3) आंचलिक महायोजना, उक्त योजना में पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय बातों को समाकलित करने के लिए राज्य सरकार के निम्नलिखित विभागों के परामर्श से तैयार होगी, अर्थात्:-

(i) पर्यावरण;;

(ii) वन और वन्यजीव

IndiaCode

(iii) कृषि;

(iv) राजस्व;

(v) नगर विकास;

(vi) पर्यटन;

(vii) ग्रामीण विकास;

(viii) सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण;

(ix) नगरपालिका;

(x) पंचायती राज;

(xi) लोक निर्माण विभाग;

(xii) राजमार्ग; और

(xiii) तमिलनाडु राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड।

(4) आंचलिक महायोजना अनुमोदित विद्यमान भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई निर्बंधन अधिरोपित नहीं करेगी जब तक कि इस अधिसूचना में इस प्रकार विनिर्दिष्ट न हो और आचंलिक महायोजना सभी अवसंरचना और क्रियाकलापों में, जो अधिक दक्षता और पारिस्थितिकी अनुकूल हों, का संवर्धन करेगी ।

(5) आंचलिक महायोजना में अनाच्छादित क्षेत्रों के जीर्णोद्धार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भूतल जल के प्रबंधन, मृदा और नमी संरक्षण, स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी और पर्यावरण से संबंधित ऐसे अन्य पहलुओं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है, के लिए उपबंध होंगे ।

(6) आंचलिक महायोजना विद्यमान और प्रस्तावित भूमि उपयोग विशेषताओं के ब्यौरों से अनुसमर्थित मानचित्र के साथ सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों और नगरीय बस्तियों, वनों के प्रकार और किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, हरित क्षेत्र जैसे उद्यान और उसी प्रकार के स्थान, उद्यान कृषि क्षेत्र, फलोउद्यान, झीलों और अन्य जल निकायों का अभ्यकंन करेगी। योजना को मानचित्रों में दिए गए विद्यमान तथा प्रस्तावित भूमि उपयोग सुविधाओं के विवरण द्वारा समर्थित किया जाएगा।

(7) आंचलिक महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन में विकास को विनियमित करेगी और सारणी में प्रतिषिद्ध और विनियमित क्रियाकलापों का अनुपालन करेगी और स्थानीय समुदायों की जीविका को सुरक्षित करने के लिए पारिस्थितिकी अनुकूल विकास को सुनिश्चित और उसकी अभिवृद्धि भी करेगी।

(8) आंचलिक महायोजना प्रादेशिक विकास योजना की सह-विस्तारी होगी ।

(9) इस प्रकार अनुमोदित आंचलिक महायोजना इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार मानीटरी के अपने कार्यों को करने के लिए मानीटर समिति के लिए एक संदर्भ दस्तावेज तैयार करेगी ।

3. **राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय.-** राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:-

(1) **भू-उपयोग**.– (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में वनों, उद्यान कृषि क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, मनोरंजन के प्रयोजनों के लिए चिन्हित किए गए पार्कों और खुले स्थानों का वाणिज्यिक या आवासीय या औद्योगिक संबद्ध विकास क्रियाकलापों के लिए उपयोग या संपरिवर्तन नहीं होगा;

परंतु यह कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भाग (क) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों से भिन्न प्रयोजन के लिए कृषि और अन्य भूमि का संपरिवर्तन मानीटरी समिति की सिफारिश पर और यथा लागू और क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम और केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्य नियमों तथा विनियमों के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से, और इस अधिसूचना के उपबंधों द्वारा स्थानीय निवासियों की निम्नलिखित आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा, जैसे:-

(i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ़ करना तथा नई सड़कों का संनिर्माण;

(ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण;

(iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग;

(iv) कुटीर उद्योगों जिनके अंतर्गत ग्रामीण उद्योग भी हैं; सुविधाजनक भण्डार और स्थानीय सुविधाएं सहायक पारिस्थितिकी पर्यटन जिसके अन्तर्गत ग्रह वास सम्मिलित है; और

(v) पैरा 4 के अधीन दिए गए संवर्धित क्रियाकलाप:

परंतु यह और कि प्रादेशिक नगर योजना अधिनियम और राज्य सरकार के अन्य नियमों और विनियमों के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन और संविधान के अनुच्छेद 244 के उपबंधों या तत्समय प्रवृत्त विधि के उपबंधों के अनुपालन के बिना, जिसके अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी है, वाणिज्यिक या औद्योगिक विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का उपयोग अनुज्ञात नहीं होगा:

परंतु यह और भी कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भू-अभिलेखों में उपसंजात कोई गलती, मानीटरी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात् राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार ठीक होगी और उक्त गलती के सुधार की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दी जाएगी:

परंतु यह और भी कि गलती के संशोधन में इस उप पैरा के अधीन यथा उपबंधित के सिवाय किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन सम्मिलित नहीं होगा।

(ख) वनीकरण तथा वास जीर्णोद्धार क्रियाकलापों सहित अनप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुन: वनीकरण करने के प्रयास किए जाएंगे।

(2) **प्राकृतिक जल स्रोतों.**- आचंलिक महायोजना में सभी प्राकृतिक जल स्रोतों/नदियों/ जलमार्गों के आवाह क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण और नवीकरण के लिए योजना सम्मिलित होगी और राज्य सरकार द्वारा ऐसे क्षेत्रों पर या उनके निकट विकास क्रियाकलाप प्रतिषिद्ध करने के बारे में जो ऐसे क्षेत्रों के लिए अहितकर हो ऐसी रीति से मार्गदर्शक सिद्धांत तैयार किए जाएंगे ।

(3) **पर्यटन या पारिस्थितिकी पर्यटन.-** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर सभी नए पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पर्यटन महायोजना के अनुसार पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए होगा।

(ख) पारिस्थितिकी पर्यटन महायोजना राज्य पर्यटन विभाग द्वारा राज्य पर्यावरण और वन विभाग के परामर्श से तैयार होगी।

(ग) पर्यटन महायोजना आंचलिक महायोजना के एक घटक के रूप में होगी।

(घ) पर्यटन महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन की वहन क्षमता के आधार पर तैयार की जाएगी।

(ङ) पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नानुसार विनियमित होंगे:-

IndiaCode

(i) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट है, नये वाणिज्यिक होटल और रिजॉर्ट के सन्निर्माण अनुज्ञात नहीं होंगे:

परंतु, यह कि संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक होटलों और रिजॉर्ट का स्थापन केवल पूर्व परिभाषित और नामनिर्दिष्ट क्षेत्रों में पर्यटन महायोजना के अनुसार पारिस्थितिकी पर्यटन सुविधाओं के लिए ही अनुज्ञात होगा;

(ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नए पर्यटन क्रियाकलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के मार्गदर्शक सिद्धांतों के द्वारा तथा राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण, द्वारा जारी पारिस्थितिकी–पर्यटन, पारिस्थितिकी-शिक्षा और पारिस्थितिकी-विकास पर बल देते हुए (समय-समय पर यथा संशोधित) जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार होगा;

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन किए जाने तक, पर्यटन के लिए विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल विनिर्दिष्ट संवीक्षा और मानीटरी समिति की सिफारिश पर आधारित संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर किसी नये होटल या रिसोर्ट या वाणिज्यिक स्थापना का संनिर्माण अनुज्ञात नहीं किया जायेगा ।

(4) **नैसर्गिक विरासत.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में महत्वपूर्ण नैसर्गिक विरासत के सभी स्थलों जैसे जीन कोश आरक्षित क्षेत्र, शैल विरचनाएं, जल प्रपातों, झरनों, घाटी मार्गों, उपवनों, गुफाएं, स्थलों, भ्रमण, अश्वरोहण, प्रपातों आदि की पहचान की जाएगी और विरासत संरक्षण योजना आंचलिक महायोजना के भाग के रुप में परिरक्षण और संरक्षण के लिए तैयार की जाएगी ।

(5) **मानव निर्मित विरासत स्थल.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, शिल्प-तथ्य, ऐतिहासिक, स्थापत्य, सौंदर्यपूरक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की और उपक्षेत्रों की पहचान और उनके संरक्षण के लिए विरासत योजना आंचलिक महायोजना के भाग के रुप में तैयार की जाएगी।

(6) **ध्वनि प्रदूषण**.- पर्यावरण अधिनियम के अधीन ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 में नियत उपबंधों के अनुसार में पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण और निवारण का अनुपालन किया जाएगा।

(7) **वायु प्रदूषण**.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण के निवारण और नियंत्रण का वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार अनुपालन किया जाएगा।

(8) **बहिस्राव का निस्सारण**.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उपचारित बहिस्राव का निस्सारण, साधारणों मानकों के उपबंधों के अनुसार पर्यावरणीय अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन आने वाले पर्यावरणीय प्रदूषण के निस्सारण के लिए साधारण मानकों या राज्य सरकार द्वारा नियत मानकों, जो भी अधिक कठोर हो, के उपबंधों के अनुसार होगा।

(9) **ठोस अपशिष्ट.-** ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1357(अ), तारीख 8 अप्रैल, 2016 द्वारा प्रकाशित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा। अकार्बनिक पदार्थो का निपटान पारिस्थितिकी संवेदी जोन से बाहर चिन्हित किए गए स्थानों पर पर्यावरण-अनुकूल रीति से किया जाएगा;

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों (ईएसएम) का उपयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जा सकेगा।

IndiaCode

(10) **जैव चिकित्सा अपशिष्ट.**- जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं.सा.का.नि 343 (अ), तारीख 28 मार्च, 2016 द्वारा प्रकाशित जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(ख) पारिस्थितिकी संवदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप जैव-चिकित्सा अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जा सकेगा।

(11) **प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 340(अ), तारीख 18 मार्च, 2016 द्वारा प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(12) **निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं.सां.का.नि 317(अ), तारीख 29 मार्च, 2016 द्वारा प्रकाशित संनिर्माण और विध्वंस प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(13) **ई–अपशिष्ट.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई–अपशिष्ट प्रबंधन का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित द्वारा प्रकाशित ई–अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(14) **यानीय यातायात.-** यातायात की यानीय गतिविधियां आवास के अनुकूल विनियमित होंगी और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध सम्मिलित किए जाएंगे और आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित होने तक, मानीटरी समिति सुसंगत अधिनियमों और उसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों के अनुसार यानीय क्रियाकलापों के अनुपालन को मानीटर करेगी।

(15) **यानीय प्रदूषण.-** लागू विधियों के अनुपालन में वाहन प्रदूषण का निवारण और नियंत्रण किया जाएगा और स्वच्छक ईंधन के उपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे।

(16) **औद्योगिक ईकाइयां.-** (i) राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन पर या उसके पश्चात पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर कोई नए प्रदूषित उद्योगों की स्थापना की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ii) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी मार्गदर्शक सिद्धान्तों में उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार, जब तक कि अधिसूचना में इस प्रकार विनिर्दिष्ट न हो; पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर केवल गैर- प्रदूषणकारी उद्योगों को अनुज्ञात किया जाएगा और इसके अतिरिक्त, गैर प्रदूषणकारी उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

(17) **पहाड़ी ढलानों को संरक्षण.-** पहाड़ी ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार होगा:-

(क) आंचलिक महायोजना पहाड़ी ढलानों पर क्षेत्रों का संकेत होगा जहां किसी भी संनिर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी;

(ख) कटाव के एक उच्च डिग्री के साथ विद्यमान खड़ी पहाड़ी ढलानों या ढलानों पर किसी भी संनिर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी।

4. पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध और विनियमित किए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप पर्यावरण अधिनियम के उपबंधों और उसके अधीन बनाए गए नियमों जिसके अन्तर्गत तटीय विनियमन जोन अधिसूचना 2011 और पर्यावरणीय समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 और अन्य लागू विधियों के जिसमें वन

(संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) सम्मिलित हैं और किये गये संशोधनों द्वारा शासित होंगे और नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट रीति में विनियमित होंगे, अर्थात् :-

सारणी

क्रम सं. **(1)**	**क्रियाकलाप** **(2)**	**वर्णन** **(3)**
	अ. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप	
1.	वाणिज्यिक खनन, पत्थर उत्खनन और अपघर्षण इकाईयां ।	(क) सभी प्रकार के नए और विद्यमान खनन (लघु और वृहत खनिज), पत्थर की खानें और उनकों तोड़ने की इकाइयां वास्तविक स्थानीय निवासियों की घरेलू आवश्यकताओं जिसमें निजी उपयोग के लिए मकानों के संनिर्माण या मरम्मत के लिए धरती को खोदना और मकान बनाने के लिए देशी टाइल्स या ईंटों का निर्माण करना भी सम्मिलित है, के सिवाय नहीं होगी। (ख) खनन प्रचालन, माननीय उच्चतम न्यायालय की रिट याचिका (सिविल) सं. 1995 का 202 टी.एन. गौडाबर्मन थिरुमूलपाद बनाम भारत संघ के मामले में आदेश तारीख 4 अगस्त, 2006 और रिट याचिका (सी) सं. 2012 का 435 गोवा फाउंडेशन बनाम भारत संघ के मामले में तारीख 21 अप्रैल, 2014 के आदेश के अनुसरण में प्रचालित होंगी ।
2.	प्रदूषण (जल, वायु, मृदा, ध्वनि, आदि) उत्पन करने वाले उद्योगों की स्थापना ।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन में कोई नया उद्योग लगाने और वर्तमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार करने की अनुज्ञा नहीं होगी: परन्तु यह कि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी मार्ग दर्शक सिद्धान्तों में उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार जब तक कि अधिसूचना में ऐसा विनिर्दिष्ट न हों, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों को अनुज्ञात किया जाएगा और इसके अतिरिक्त गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्यागों को बढ़ावा दिया जाएगा।
3.	बृहत जल विद्युत परियोजना की स्थापना ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे ।
4.	किसी परिसंकटमय पदार्थ का उपयोग या उत्पादन या प्रसंस्करण।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे ।
5.	प्राकृतिक जल निकायों या क्षेत्र भूमि में अनुपचारित बहिर्स्राव का निस्सारण ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे ।
6.	नई आरा मिलों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नई और विद्यमान आरा मिलों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा ।
7.	ईंट भट्टों की स्थापना करना।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे ।

आ. विनियमित क्रियाकलाप		
8.	वाणिज्यिक होटलों और रिसोर्टों की स्थापना ।	पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलापों लघु अस्थायी संरचनाओं के सिवाय संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट है, नए वाणिज्यिक होटल और रिसोर्टों को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा: परंतु यह कि संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के परे या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक इनमें से जो भी निकट हो सभी नए पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान क्रियाकलाप का विस्तार पर्यटन महायोजना और यथा लागू मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुरुप होगा।
9.	संनिर्माण क्रियाकलाप ।	(क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट हो, किसी भी प्रकार के नये वाणिज्यिक संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी: परंतु यह कि स्थानीय लोगों को अपनी आवास सम्बन्धी निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पैरा 3 के उप पैरा (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित अपने उपयोग के लिए, अपनी भूमि में भवन उप-विधियों के अनुसार, संनिर्माण करने की अनुज्ञा होगी, जैसे:- परंतु यह कि गैर–प्रदूषणकारी लघु उद्योगों से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलाप लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से विनियमित किए जाएंगे और वे न्यूनतम होंगे । (ख) एक किलोमीटर क्षेत्र से परे ये आंचलिक महायोजना के अनुसार विनियमित होंगे ।
10.	प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग ।	फरवरी, 2016 में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी उद्योगों में वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी उद्योग और अपरिसंकटमय में, लघु और सेवा उद्योग, कृषि, पुष्प कृषि, उद्यान कृषि या पारिस्थितिकी संवेदी जोन से देशी सामग्री से उत्पादों को उत्पन्न करने वाले कृषि आधारित उद्योग सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात होंगे।
11.	वृक्षों की कटाई ।	(क) राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन, सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर या वनों में वृक्षों की कटाई नहीं होगी । (ख) वृक्षों की कटाई संबंधित केंद्रीय या राज्य अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंध के अनुसार विनियमित होगें ।
12.	वन उत्पादों या गैर काष्ठ वन उत्पादों का संग्रहण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित ।

IndiaCode

13.	फर्मों, कारपोरेट और कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुओं और पोल्ट्री फार्मों की स्थापना।	स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लागू विधियों के अधीन विनियमित (अन्यथा प्रदान किए गए) होंगे।
14.	विद्युत और संचार टावरों का परिनिर्माण और केबलों के बिछाए जाने और अन्य बुनियादी ढांचे।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे। (भूमिगत केबल के बिछाए जाने को बढ़ावा दिया जा सकेगा)।
15.	नागरिक सुख सुविधाओं सहित अवसंरचनाएं।	न्यूनीकरण उपायों को लागू विधियों, नियमों और विनियमनों और उपलब्ध मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार किया जाएगा।
16.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ़ करना तथा नवीन सड़कों का संनिर्माण।	न्यूनीकरण उपायों को लागू विधियों, नियमों और विनियमनों तथा उपलब्ध मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार किया जाएगा।
17.	पर्यटन से संबंधित अन्य क्रियाकलाप जैसे गर्म वायु गुब्बारें, हेलीकाप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइटस आदि द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन क्षेत्र के ऊपर से उड़ना जैसे क्रियाकलाप करना।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित।
18.	पहाड़ी ढालों और नदी तटों का संरक्षण ।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित।
19.	रात्रि में यानिक यातायात का संचलन।	लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित।
20.	स्थानीय समुदायों द्वारा चल रही कृषि और बागवानी प्रथाओं के साथ दुग्धशाला, दुग्ध उद्योग, कृषि और मछली पालन।	स्थानीय लोगों के उपयोग के लिए लागू विधियों के अधीन अनुज्ञात।
21.	प्राकृतिक जल निकायों या सतही क्षेत्र में उपचारित बहिर्स्राव का निस्तारण।	जल निकायों में उपचारित अपशिष्ट जल या बहिर्स्राव के निस्सारण से बचा जाएगा और उपचारित अपशिष्ट जल के पुन:चक्रण और पुन:उपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे। अन्यथा लागू विधियों के अनुसार उपचारित बहिर्स्राव के पुनर्चक्रण/प्रवाह के निर्वहन को विनियमित किया जाएगा।
22.	सतह और भूजल का वाणिज्यिक निष्कर्षण।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित।
23.	खुले कुंआ, बोर कुंआ, आदि कृषि और अन्य उपयोग के लिए।	सम्बद्ध प्राधिकारी द्वारा क्रियाकलापों को विनियमित और सख्ती से निगरानी।
24.	ठोस अपशिष्ट का प्रबन्धन।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित।
25.	विदेशी प्रजातियों को लाना।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित।
26.	पारिस्थितिकी-पर्यटन।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित।
27.	पोलिथीन बैगों का उपयोग।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित।
28.	वाणिज्यिक साइनबोर्ड और होर्डिंग।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित।
29.	पटाखे का उपयोग।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित।
30.	लकड़ी का कोयला जलाना।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित।

Indiacode

इ. संवर्धित क्रियाकलाप		
31.	वर्षा जल संचयन ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
32.	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
33.	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी को ग्रहण करना ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
34.	कुटीर उद्योगों जिसके अंतर्गत ग्रामीण कारीगर भी हैं।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
35.	नवीकरणीय ऊर्जा और ईंधन का उपयोग ।	बायोगैस, सौर प्रकाश इत्यादि को बढ़ावा दिया जाना है ।
36.	कृषि वानिकी ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
37.	बागान लगाना और जड़ी बूटियों का रोपण ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
38.	पारिस्थितिकी अनुकूल परिवहन का उपयोग ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
39.	कौशल विकास ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
40.	निम्नीकृत भूमि/ वन / वास की बहाली ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
41.	पर्यावरणीय जागरुकता ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।

5. पारिस्थितिकी संवेदी जोन की अधिसूचना की मानीटरी के लिए मानीटरी समिति- केंद्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986, की धारा 3 की उपधारा (3) के अधीन इस अधिसूचना के उपबंधों की प्रभावी मानीटरी के लिए मानीटरी समिति का गठन करती है, जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी, अर्थात्:-

क्र.सं.	मानीटरी समिति का संघटक	पदनाम
(1)	जिला कलेक्टर, रामनाथपुरम	अध्यक्ष,पदेन;
(2)	राज्य सरकार द्वारा नामित किए जाने वाले वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाले गैर-सरकारी संगठन का प्रतिनिधि	सदस्य;
(3)	राज्य सरकार द्वारा नामित जैव विविधता में एक विशेषज्ञ	सदस्य;
(4)	पारिस्थितिकी और पर्यावरण में एक विशेषज्ञ राज्य सरकार द्वारा नामित किया जाएगा	सदस्य;
(5)	राज्य लोक निर्माण विभाग का एक प्रतिनिधि	सदस्य;
(6)	राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का एक प्रतिनिधि	सदस्य;
(7)	वन्यजीव वार्डन, मन्नार मरीन राष्ट्रीय उद्यान की खाड़ी, रामनाथपुरम	सदस्य सचिव।

6. निर्देश–निबंधन:- (1) मानीटरी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन को मानीटर करेगी।

(2) मानीटरी समिति का कार्यकाल तीन वर्ष तक या राज्य सरकार द्वारा नई समिति के पुन: गठन तक के लिए होगा और तत्पश्चात निगरानी समिति राज्य सरकार द्वारा गठित की जाएगी।

(3) उन क्रियाकलापों की, जो भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1533 (अ), तारीख 14 सितम्बर, 2006 की अनुसूची में सम्मिलित हैं, और जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते हैं, सिवाय इसके जो पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के, मानीटरी समिति द्वारा वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं के आधार पर संवीक्षा की जाएगी और उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण अनापत्ति के लिए केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्दिष्ट किया जाएगा।

(4) इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय, भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1533(अ), तारीख 14 सितंबर, 2006 की अधिसूचना के अनुसूची के अधीन ऐसे अनुसूची में क्रियाकलापों, जिन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है, परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते हैं, ऐसे क्रियाकलापों की वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उसे संबद्ध विनियामक प्राधिकरणों को निर्दिष्ट किया जाएगा ।

(5) मानीटरी समिति का सदस्य-सचिव या संबद्ध उपायुक्त ऐसे व्यक्ति के विरूद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन परिवाद फाइल करने के लिए सक्षम होगा।

(6) मानीटरी समिति मुद्दा दर मुद्दा के आधार पर अपेक्षाओं पर निर्भर रहते हुए संबद्ध विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संगमों या संबद्ध पणधारियों के प्रतिनिधियों को अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी ।

(7) मानीटरी समिति प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च तक के अपने क्रियाकलापों की वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को **उपाबंध-V** में संलग्न प्रोफार्मा में उक्त वर्ष के 30 जून तक प्रस्तुत करेगी ।

(8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मानीटरी समिति को अपने कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए समय-समय पर ऐसे निर्देश दे सकेगा, जो वह ठीक समझे ।

7. इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभाव देने के लिए केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगी।

8. इस अधिसूचना के उपबंध, भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पारित कोई आदेश या पारित होने वाले कोई आदेश, यदि कोई हों, के अध्यधीन होंगे ।

[फा. सं. 25/11/2018-ईएसजेड]

डॉ. सतीश चन्द्र गढ़कोटी, वैज्ञानिक 'जी'

उपाबंध-I

सङ्करकोट्टई पक्षी अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का वर्णन

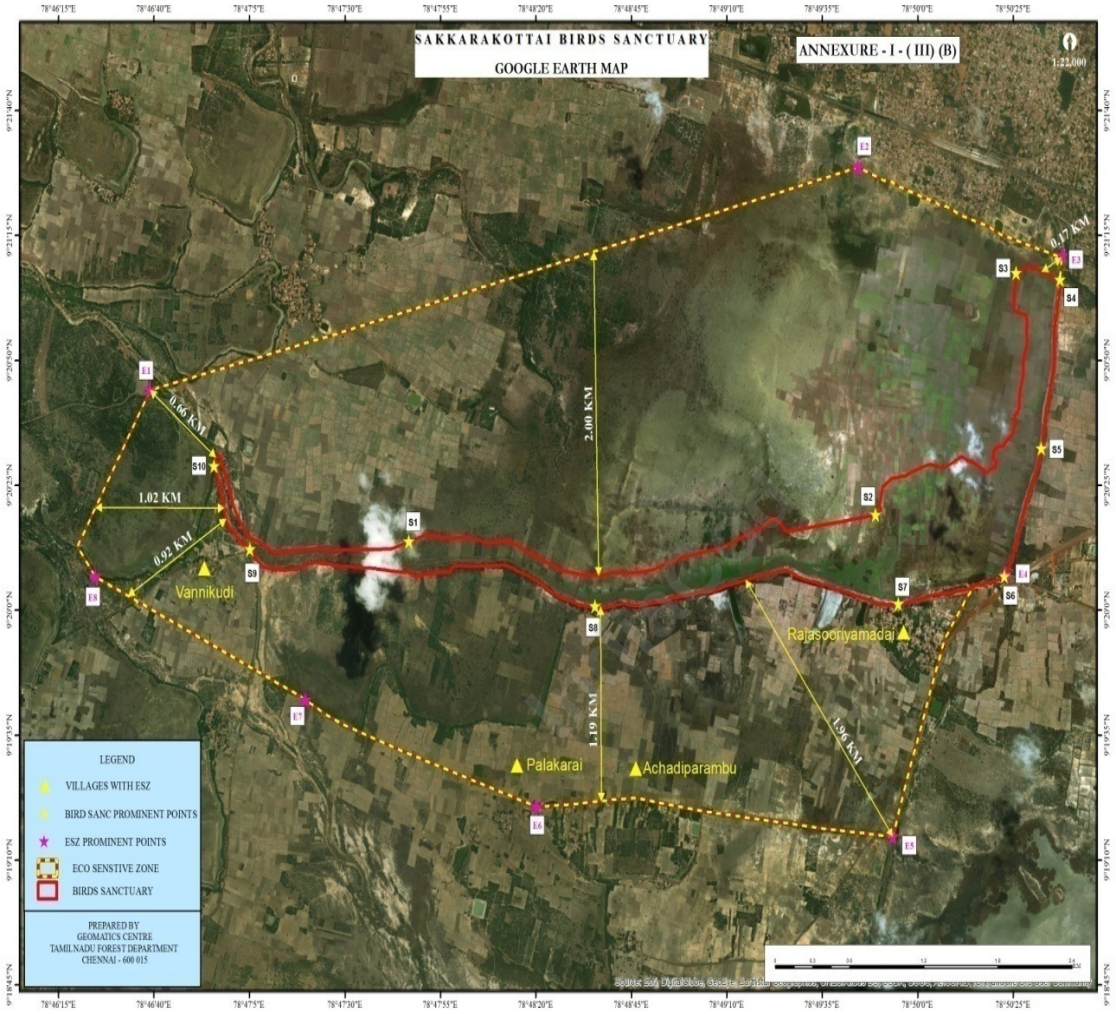
उत्तर	वन्नन ओरानी के जंक्शन से आरंभ होती है। इसके बाद सीमा सड़क के साथ पूर्वी दिशा में जाती है जो कि एम एस के नगर और पसुमोन नगर के दक्षिण से जाती है यह कीलाकराई-रामनाद राजमार्ग के बिंदु तक पहुँचती है।

उत्तर पूर्व	पूर्व तट सड़क के अवरोधन बिंदु से आरंभ होकर सीमा अभयारण्य सीमा के साथ दक्षिण दिशा में रामनाद-कीलाकराई राजमार्ग के साथ जाती है।
पूर्व	इसके बाद सीमा दक्षिणी दिशा में अभयारण्य सीमा के साथ कीलाकराई-रामनाद ई सी आर राजमार्ग के समीपवर्ती जाती है यह कीलाकराई-रामनाद ई सी आर राजमार्ग के राजासूराईमदाई ग्राम प्रवेश सड़क के अवरोधन बिंदु तक जाती है।
दक्षिण पूर्व	इसके बाद सीमा रामनाद-कीलाकराई ई सी आर राजमार्ग के साथ जाती है यह कीलाकराई- रामनाद ई सी आर राजमार्ग के पलकराई ग्राम प्रवेश सड़क के अवरोधन बिंदु तक जाती है।
दक्षिण	सीमा पलकराई ग्राम प्रवेश सड़क के साथ सक्करकोट्टई कनमोई के दक्षिण में 1.2 किलोमीटर तक जाती है यह पलकराई ग्राम पहुँचती है।
दक्षिण पश्चिम	इसके बाद सीमा विट्टानूर उत्तर कनमोई के बांध के साथ जाती है यह वन्निगुडी कनमोई के दक्षिण पश्चिमी बांध पहुँचती है।
पश्चिम	इसके बाद सीमा दक्षिण पश्चिम दिशा में वन्निगुडी कनमोई के बांध के साथ जाती है वन्निगुडी कनमोई के पश्चिमी मुख्य टिप तक जाती है। इसके बाद सीमा उत्तरी दिशा में जाती है यह एक्कागुडी-पुट्टेनडल ग्राम सड़क को छूती है।
उत्तर पश्चिम	इसके बाद सीमा पुट्टेनडल कनमोई के दक्षिणी बांध के साथ उत्तर पूर्वी दिशा में जाती है यह वन्नन ओरानी के निकट आरंभिक बिंदु को छूती है।

IndiaCode

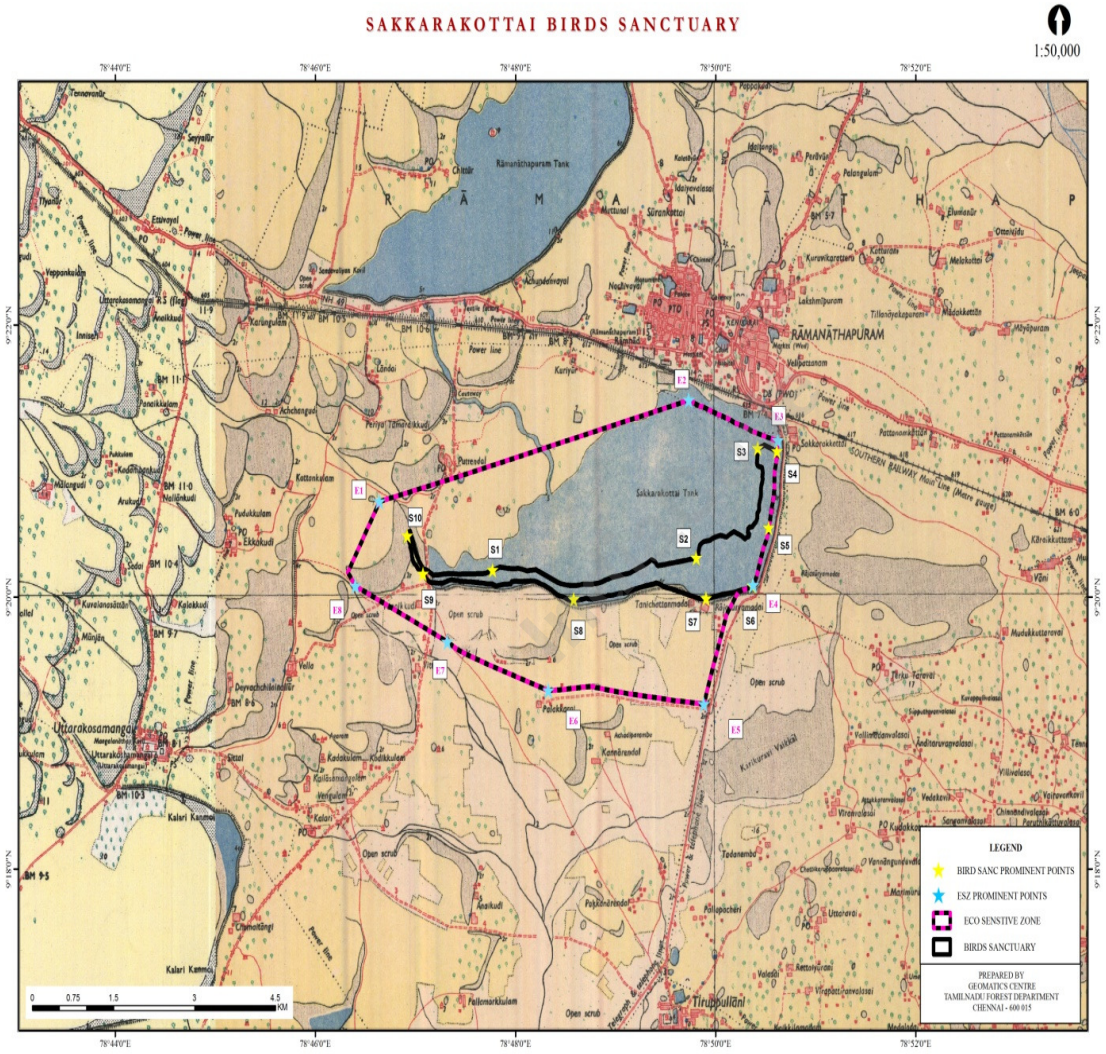
उपाबंध-IIक

मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ सक्कारकोट्टई पक्षी अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का गूगल मानचित्र



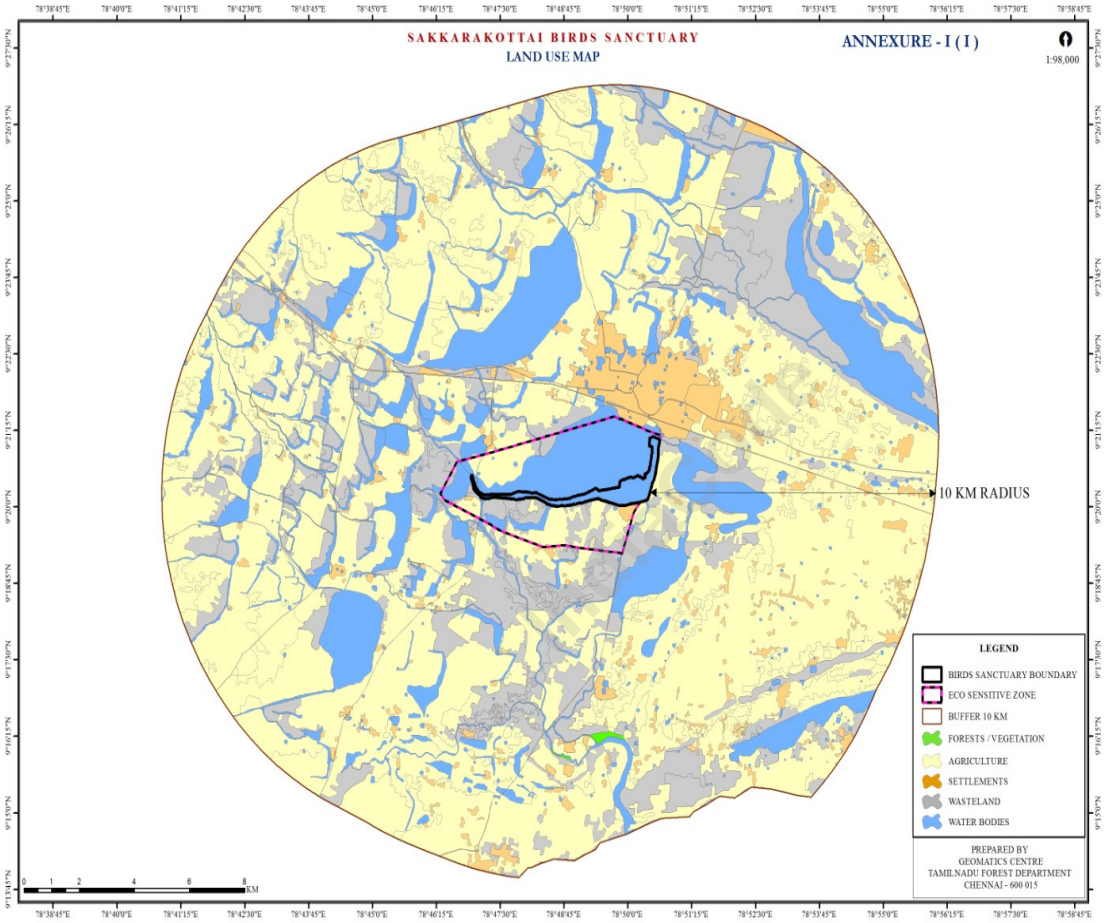
उपाबंध–II ख

भारतीय सर्वेक्षण (एस ओ आई) टोपोशीट पर मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ सक्करकोट्टई पक्षी अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी का मानचित्र



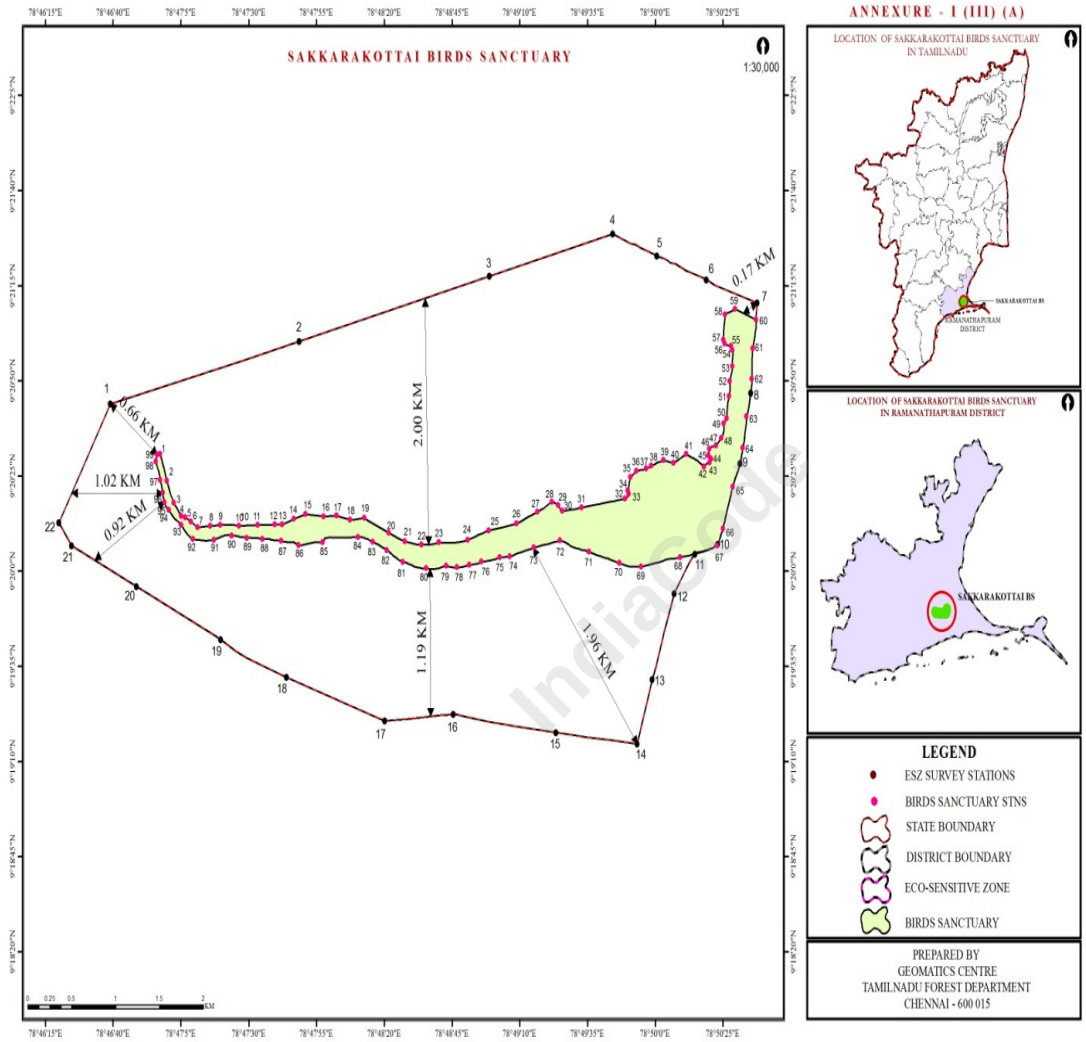
उपाबंध–II ग

मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ 10 किलोमीटर बफर में सक्कारकोट्टई पक्षी अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भूमि उपयोग पैटर्न को दर्शाने वाला मानचित्र



उपाबंध-IIघ

मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ सक्कारकोट्टई पक्षी अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र



उपाबंध-III

सारणी क: सक्कारकोट्टई पक्षी अभयारण्य के मुख्य अवस्थानों के अक्षांश-देशांतर

क्र.सं.	प्रमुख बिंदुओं की पहचान	प्रमुख बिंदु की अवस्थिति/ दिशा	अक्षांश (उ) डीएमएस प्रारूप	देशांतर (पू) डीएमएस प्रारूप
1	1	उ प	78°46'57.3276"	9°20'30.7464"
2	2	उ प	78°46'59.8512"	9°20'23.7696"
3	3	उ प	78°47'2.4504"	9°20'17.988"

4	4	उ प	78°47'5.136"	9°20'14.5176"
5	5	उ प	78°47'6.6192"	9°20'14.0892"
6	6	उ प	78°47'8.6928"	9°20'13.0128"
7	7	उ प	78°47'11.2128"	9°20'11.5836"
8	8	उ	78°47'15.8856"	9°20'11.868"
9	9	उ	78°47'19.5252"	9°20'12.1992"
10	10	उ	78°47'26.4228"	9°20'11.9724"
11	11	उ	78°47'33.3816"	9°20'12.1128"
12	12	उ	78°47'39.6744"	9°20'12.228"
13	13	उ	78°47'42.3744"	9°20'12.318"
14	14 (एस1)	उ सक्करकोट्टई कनमोई की उत्तरी सीमा	78°47'46.7448"	9°20'13.7292"
15	15	उ	78°47'51.036"	9°20'15.0576"
16	16	उ	78°47'57.678"	9°20'14.424"
17	17	उ	78°48'2.43"	9°20'14.568"
18	18	उ	78°48'7.3908"	9°20'13.506"
19	19	उ	78°48'12.7044"	9°20'13.9596"
20	20	उ	78°48'21.78"	9°20'10.0608"
21	21	उ	78°48'27.63"	9°20'7.8216"
22	22	उ	78°48'33.8868"	9°20'6.9972"
23	23	उ	78°48'40.3056"	9°20'7.584"

IndiaCode

24	24	उ	78°48'50.9076"	9°20'8.2536"
25	25	उ	78°48'58.6692"	9°20'10.7376"
26	26	उ	78°49'8.904"	9°20'12.534"
27	27	उ	78°49'16.6404"	9°20'15.648"
28	28	उ	78°49'21.9288"	9°20'18.2472"
29	29	उ	78°49'24.24"	9°20'17.3184"
30	30	उ	78°49'25.7916"	9°20'15.8064"
31	31	उ	78°49'32.9268"	9°20'16.746"
32	32 (एस 2)	उ सक्करकोट्टई कनमोई की उत्तरी सीमा	78°49'49.0152"	9°20'19.0536"
33	33	उ	78°49'50.3652"	9°20'20.31"
34	34	उ	78°49'50.0124"	9°20'21.138"
35	35	उ	78°49'50.898"	9°20'24.72"
36	36	उ	78°49'53.1408"	9°20'26.3832"
37	37	उ	78°49'56.7084"	9°20'26.9412"
38	38	उ	78°49'58.548"	9°20'27.762"
39	39	उ	78°50'3.1452"	9°20'29.1336"
40	40	उ	78°50'6.8388"	9°20'28.4496"
41	41	उ पू	78°50'11.5008"	9°20'30.7464"
42	42	उ पू	78°50'18.0816"	9°20'27.5136"
43	43	उ पू	78°50'20.2164"	9°20'28.536"

IndiaCode

44	44	उ पू	78°50'20.6304"	9°20'29.5008"
45	45	उ पू	78°50'19.662"	9°20'30.4044"
46	46	उ पू	78°50'20.1156"	9°20'32.1432"
47	47	उ पू	78°50'22.5312"	9°20'32.9532"
48	48	उ पू	78°50'24.5364"	9°20'35.0052"
49	49	उ पू	78°50'25.386"	9°20'38.8356"
50	50	उ पू	78°50'26.4588"	9°20'40.2252"
51	51	उ पू	78°50'27.3804"	9°20'45.96"
52	52	उ पू	78°50'27.6"	9°20'49.9344"
53	53	उ पू	78°50'28.6188"	9°20'53.8044"
54	54	उ पू	78°50'28.6296"	9°20'58.002"
55	55	उ पू	78°50'28.1508"	9°20'59.172"
56	56	उपू	78°50'25.7568"	9°20'59.784"
57	57	उ पू	78°50'25.2024"	9°21'0.7812"
58	58 (एस3)	उ पू सक्करकोट्टई कनमोई की उत्तरी टिप	78°50'25.8504"	9°21'7.4304"
59	59	उ	78°50'29.6196"	9°21'8.8848"
60	60 (एस4)	उ पू रामनाद - कीलाकराई सड़क के साथ सक्करकोट्टई टैंक बंड पर उत्तरी टिप	78°50'37.3272"	9°21'5.9004"
61	61	उ पू	78°50'36.0744"	9°20'58.4988"

IndiaCode

62	62	उ पू	78°50'35.7252"	9°20'50.5104"
63	63	उ पू	78°50'33.8244"	9°20'40.6068"
64	64 (एस5)	पू रामनाद - कीलाकराई सड़क पर पूर्वी बांध के साथ	78°50'32.4456"	9°20'32.3592"
65	65	पू	78°50'28.5972"	9°20'22.2792"
66	66	पू	78°50'25.0836"	9°20'11.112"
67	67 (एस 6)	द पू रामनाद - कीलाकराई सड़क के साथ सक्करकोट्टई टैंक बांध की दक्षिण पूर्वी युक्ति	78°50'22.7292"	9°20'6.7056"
68	68	द पू	78°50'9.3336"	9°20'3.6888"
69	69 (एस 7)	द सक्करकोट्टई टैंक का दक्षिणी बांध	78°49'58.062"	9°20'1.5396"
70	70	द	78°49'46.7544"	9°20'2.1408"
71	71	द	78°49'35.6988"	9°20'5.1252"
72	72	द	78°49'24.87"	9°20'8.1132"
73	73	द	78°49'15.3408"	9°20'6.18"
74	74	द	78°49'6.3588"	9°20'3.84"
75	75	द	78°49'2.6472"	9°20'3.6528"
76	76	द	78°48'55.9692"	9°20'2.5872"
77	77	द	78°48'51.5268"	9°20'1.662"
78	78	द	78°48'46.854"	9°20'1.1328"

IndiaCode

79	79	द	78°48'42.03"	9°20'1.6908"
80	80 (एस 8)	द कंकोमी के पश्चिमी हिस्से की ओर सक्करकोट्टई टैंक का दक्षिणी बांध	78°48'35.5464"	9°20'0.7908"
81	81	द	78°48'26.8956"	9°20'2.4216"
82	82	द	78°48'20.9628"	9°20'5.5248"
83	83	द	78°48'15.7572"	9°20'7.6596"
84	84	द	78°48'10.386"	9°20'8.952"
85	85	द	78°47'57.3036"	9°20'7.6344"
86	86	द	78°47'48.4512"	9°20'6.8136"
87	87	द	78°47'41.9568"	9°20'7.908"
88	88	द	78°47'35.1132"	9°20'8.484"
89	89	द	78°47'29.3532"	9°20'8.7396"
90	90	द	78°47'23.73"	9°20'9.3696"
91	91	द प	78°47'17.2032"	9°20'8.2644"
92	92	द प	78°47'9.4848"	9°20'8.4624"
93	93 (एस 9)	द प रामनाद - कलारी सड़क पर वन्निगुड़ी प्रवेश मार्ग का चौराहा बिंदु	78°47'5.1072"	9°20'12.1236"
94	94	द प	78°47'0.51"	9°20'16.1268"
95	95	प	78°46'58.9368"	9°20'18.0276"
96	96	प	78°46'58.2924"	9°20'20.616"

IndiaCode

97	97	प	78°46'57.3744"	9°20'24.0108"
98	98 (एस 10)	उ प वन्निगुड्डी टैंक बांध पर	78°46'55.7184"	9°20'28.7808"
99	99	उ प	78°46'56.2368"	9°20'30.6384"

सारणी ख: पारिस्थितिकी संवेदी जोन के मुख्य अवस्थानों के अक्षांश-देशांतर

क्र.सं.	प्रमुख बिंदुओं की पहचान	प्रमुख बिंदु के अवस्थिति/दिशा	अक्षांश (उ) डीएमएस प्रारूप	देशांतर (पू) डीएमएस प्रारूप
1	1 (ई1)	उ प वन्निगुडी कनमोई की उत्तर पश्चिमी टिप	78°46'39.0216"	9°20'44.0628"
2	2	उ	78°47'48.6096"	9°21'1.0476"
3	3	उ	78°48'58.77"	9°21'17.802"
4	4 (ई 2)	उ वन्नन ओरानी की दक्षिणी टिप	78°49'44.4468"	9°21'28.6848"
5	5	उ	78°50'0.7584"	9°21'22.878"
6	6	उ	78°50'18.9744"	9°21'16.506"
7	7 (ई 3)	उपू रामनाद-कीलाकराई सड़क पर सक्करकोट्टई कनमोई का उत्तर	78°50'37.6044"	9°21'10.098"
8	8	पू	78°50'35.4192"	9°20'46.8816"
9	9	पू	78°50'31.4052"	9°20'28.3344"
10	10 (ई 4)	पू रामनाद - कीलाकराई सड़क के साथ सक्करकोट्टई टैंक की दक्षिण पूर्वी सीमा	78°50'23.0568"	9°20'7.1556"
11	11	पू	78°50'14.6832"	9°20'4.4772"

IndiaCode

12	12	पू	78°50'7.0764"	9°19'54.0984"
13	13	द पू	78°49'58.9872"	9°19'31.53"
14	14 (ई 5)	द पू रामनाद - कीलाकराई सड़क पर पालकराई प्रवेश मार्ग का चौराहा बिंदु	78°49'53.454"	9°19'14.7072"
15	15	द	78°49'23.4444"	9°19'17.6484"
16	16	द	78°48'45.4968"	9°19'22.4328"
17	17 (ई 6)	द पालकराई ग्राम सड़क	78°48'20.2176"	9°19'20.658"
18	18	द	78°47'43.9584"	9°19'32.2464"
19	19 (ई 7)	द प विट्टानूर उत्तर कनमोई बांध	78°47'19.5684"	9°19'41.8512"
20	20	द प	78°46'48.396"	9°19'55.6104"
21	21 (ई 8)	प वन्निगुडी कनमोई पश्चिमी बांध	78°46'24.564"	9°20'6.5616"
22	22	प	78°46'20.1072"	9°20'12.6348"

उपाबंध -IV

भू-निर्देशांकों के साथ सक्करकोट्टई पक्षी अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची

क्र.सं.	ग्राम का नाम	तहसील/तालुक	जिला	अक्षांश (डीएमएस प्रारूप)	देशांतर (डीएमएस प्रारूप)
1	राजासुरीयामदई	रामानाथापुरम	रामानाथापुरम	9°19'52.64"	78°50'2.50"
2	पलाकराई	रामानाथापुरम	रामानाथापुरम	9°19'17.74"	78°48'12.21"
3	वन्निकुडी	रामानाथापुरम	रामानाथापुरम	9°20'8.49"	78°46'53.18"
4	अचादिपिराम्बु	रामानाथापुरम	रामानाथापुरम	9°19'14.55"	78°48'29.65"

IndiaCode

उपाबंध-V

की गई कार्रवाई की रिपोर्ट का रूप विधान:

1. बैठकों की संख्या और तारीख ।
2. बैठकों का कार्यवृत: (कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का उल्लेख करें । बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक उपाबंध में उपाबद्ध करें) ।
3. आंचलिक महायोजना की तैयारी की प्रास्थिति जिसके अंतर्गत पर्यटन महायोजना भी है।
4. भू-अभिलेख में सदृश्य त्रुटियों के सुधार के लिए ब्यौहार किए गए मामलों का सारांश (पारिस्थितिकी संवेदी जोन वार) । ब्यौरे उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं।
5. पर्यावरण समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाले क्रियाकलापों की संवीक्षा के मामलों का सारांश। (ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं)।
6. पर्यावरण समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली गतिविधियों की संवीक्षा के मामलों का सारांश । (ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं)।
7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सारांश ।
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण विषय ।

IndiaCode

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th December, 2019

S.O. 4440(E).—WHEREAS, a draft notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change number S.O. 3362(E), dated the 9th July, 2018, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within the period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing the said notification were made available to the public;

AND WHEREAS, copies of the Gazette containing the said draft notification were made available to the public on the 9th July, 2018;

AND WHEREAS, no objections and suggestions were received from persons and stakeholders in response to the draft notification;

AND WHEREAS, the Sakkarakottai Bird Sanctuary otherwise known as "Sakkarakottai Kanmoi" is located in Ramanathapuram taluk of Ramanathapuram district of southern Tamil Nadu. It is a part of Sakkarakottai, Rajasuriyamadai and Achadipirambu revenue villages. The Sanctuary is situated about 2 kilometres distance from Ramnad main town. It is an important habitat for several species of migratory, resident birds and plants. The Sakkarakottai Bird Sanctuary lies between 09°21'8'' N latitude and 078°48'50'' E longitude in the Ramanathapuram District of Tamil Nadu and extends over an area of 2.30495 square kilometres (230.495 ha). Sakkarakottai was declared as Bird Sanctuary *vide* G.O. Ms. No.114, E&F (FR.5) dated the 17 April, 2012 and notified as a Bird Sanctuary within the meaning and scope of sub-section (1) of 18 of Wildlife (Protection) Act, 1972;

AND WHEREAS, the Sakkarakottai Bird Sanctuary has high richness of nearly threatened species such as pelican, painted stork, eurasian spoon bill, white ibis, darter, flamingo and water birds such as common coot, pin tail, garganey, egrets, cormorants, black winged stilt, king fisher, common myna, brahminy kite, spotted owlet, etc. The area is an important and unique habitat known for varied avian fauna which provide an ecologically sustainable habitat for more than 42 bird species. Many of the different varieties of migratory birds arrive from various parts of countries for feeding purpose. About 5000 birds belonging to 30 species have been listed during the season and the important birds include white ibis, black ibis, open-billed stork, egrets, mynas, teals, ducks, darters, herons, pelicans, etc:,

AND WHEREAS, the wetland is irregular in depth and retains water for 3 to 5 months, if rain is normal. Envisaging successful management measures will attract more breeding species and wintering species to enhance the diversity which in turn will attract more tourists, birdwatchers and students. The best time to visit the Sanctuary for bird watching is November-January when bird population and species diversity is at the highest. The Sanctuary is basically an irrigation tank that is used for storing water for agriculture recharged by the northeast monsoons from October till January. The tank remains completely dry from March to August;

AND WHEREAS, as the Sanctuary is basically an irrigation tank, there is no natural forest within the Sanctuary. Babul (*Acacia nilotica)* plantations were raised by the Forest Department. The other major flora in the tank bunds and foreshore are Nayurivi *(Achyranthes aspera* L.), Panai *(Borassus flabellifer* L.), Erukku *(Calotropis gigantea* (L.) R.Br.), Avaram, Avaarai *(Senna auriculata* (L.) Roxb.), Puliya maram *(Tamarindus indica* L.), Nai kadugu, Nai vaelai *(Cleome viscosa* L.), etc;

AND WHEREAS, the Sanctuary being a irrigation tank has very less faunal species (except Avifauna) which include Indian Grey Mongoose *(Herpestes edwardsii)*, Indian palm squirrel *(Funambulus palmarum)*, jackal *(Canis aureus)*, bandicoot rat *(Bandicota bengalensis),* etc. The Sanctuary has diversity of birds, butterflies, insects, reptiles and amphibians. Example of birds are spot-billed pelican *(Pelecanus philippensis),* great cormorant *(Phalacrocorax carbo),* darter *(Anhinga melanogaster),* large egret *(Casmerodius albus),* etc; examples of reptiles are house gecko *(Hemidactylus frenatus),* spotted Indian gecko *(Hemidactylus brookii),* garden lizard *(Calotes versicolor),* green lizard *(Calotes calotes),* monitor lizard *(Varanus bengalensis),* common Indian skink *(Eutrophis carinata),* etc; examples of amphibians are common Indian toad *(Duttaphrynus melanostictus),* ornate narrow mouthed frog *(Microhyla ornate),* common skittering frog *(Euphlyctis cyanophlyctis),* etc;

AND WHEREAS, the Sanctuary has rare, endangered and threatened species. Examples of rare species are great cormorant *(Phalacrocorax carbo),* purple heron *(Ardea cinerea),* comb duck *(Sarkidiornis melanotos),* northern shoveller *(Anas clypeata),* common teal *(Abas crecca),* common redshank *(Tringa tetanus)* and common greenshank *(Tringa nebularia).* Threatened species recorded in the Sanctuary include spot-billed pelican (*Pelecanus philippensis)* and painted stork *(Mycteria leucocephala);*

WHEREAS, Sakkarakottai, Rajsuriyamadai, Vannigudi, Palkarai and Achadiparambu are the only villages located in the vicinity of the Sanctuary and are under the jurisdiction of Sakkarakottai Panchayat. There are 2559 households in the three villages and nearly half of the total households were observed to be below poverty line. In these villages, the total human population is 9303 and corresponding cattle population including cows, Bull, goats and sheep comes to 827. Most of the people depend upon Rain fed agriculture while the rest earn their livelihood as daily wage labourers. The landscape is mainly agrarian and the economy of the village is primarily dependent on agriculture. Livestock rearing such as goats, sheep, cow and poultry also supports the economy of the villages. Few villagers are also engaged in manufacturing charcoal to supplement their income during the lean season of agriculture;

AND WHEREAS, it is necessary to conserve and protect the area, the extent and boundaries of Sakkarakottai Bird Sanctuary which are specified in paragraph 1 as Eco-sensitive Zone from ecological, environmental and biodiversity point of view and to prohibit industries or class of industries and their operations and processes in the said Eco-sensitive Zone;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) (hereafter in this notification referred to as the Environment Act) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area to an extent varying from 0 (zero) kilometre to 2.0 kilometres around the boundary of Sakkarakottai Bird Sanctuary, in Ramanathapuram district in the State of Tamil Nadu as the Sakkarakottai Bird Sanctuary Eco-sensitive Zone (hereafter in this notification referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely:-

2. Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone. – (1) The Eco-sensitive Zone shall be to an extent of 0 (zero) kilometre to 2.0 kilometres around the boundary of Sakkarakottai Bird Sanctuary and the area of the Eco-sensitive Zone is 19.0387 square kilometres. (*Zero extent of Eco-sensitive Zone toward eastern side developing site of SIPCOT*).

(2) The boundary description of Sakkarakottai Bird Sanctuary and its Eco-sensitive Zone is appended in **Annexure-I.**

(3) The maps of the Sakkarakottai Bird Sanctuary demarcating Eco-sensitive Zone along with boundary details and latitudes and longitudes are appended as **Annexure-IIA, Annexure-IIB, Annexure-IIC** and **Annexure-IID.**

(4) List of geo-coordinates of the boundary of Sakkarakottai Bird Sanctuary and Eco-sensitive Zone are given in Table **A** and Table **B** of **Annexure-III.**

(5) The list of villages falling in the Eco-sensitive Zone along with their geo co-ordinates at prominent points is appended as **Annexure-IV.**

2. Zonal Master Plan for Eco-sensitive Zone.- (1) The State Government shall, for the purposes of the Eco-sensitive Zone prepare a Zonal Master Plan within a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification for approval of the competent authority of State.

(2) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.

(3) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following Departments of the State Government, for integrating the ecological and environmental considerations into the said plan:-

(i) Environment;

(ii) Forest and Wildlife;

(iii) Agriculture;

(iv) Revenue;

(v) Urban Development;

(vi) Tourism;

(vii) Rural Development;

(viii) Irrigation and Flood Control;

(ix) Municipal;

(x) Panjayati Raj;

(xi) Public Works Department;

(xii) Highways; and

(xiii) Tamil Nadu State Pollution Control Board.

IndiaCode

(4) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.

(5) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.

(6) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies with supporting maps giving details of existing and proposed land use features.

(7) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited and regulated activities listed in the Table in paragraph 4 and also ensure and promote eco-friendly development for security of local communities' livelihood.

(8) The Zonal Master Plan shall be co-terminus with the Regional Development Plan.

(9) The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.

3. Measures to be taken by the State Government.- The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

(1) Land use.– (a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or residential or industrial activities:

Provided that the conversion of agricultural and other lands, for the purpose other than that specified at part (a) above, within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of Central Government or State Government as applicable and *vide* provisions of this Notification, to meet the residential needs of the local residents and for activities such as:-

(i) widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;

(ii) construction and renovation of infrastructure and civic amenities;

(iii) small scale industries not causing pollution;

(iv) cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay; and

(v) promoted activities given under paragraph 4:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of the State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

Provided also that the correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph.

(b) Efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat restoration activities.

(2) Natural water bodies.-The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.

(3) Tourism or Eco-tourism.- (a) All new eco-tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone.

(b) The Eco-Tourism Master Plan shall be prepared by the State Department of Tourism in consultation with State Departments of Environment and Forests.

(c) The Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan.

(d) The Tourism Master Plan shall be drawn based on the study of carrying capacity of the Eco-sensitive Zone.

(e) The activities of eco-tourism shall be regulated as under, namely:-

(i) new construction of hotels and resorts shall not be allowed within one kilometre from the boundary of the protected area or upto the extent of the Eco-sensitive Zone whichever is nearer:

Provided that beyond the distance of one kilometre from the boundary of the protected area till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be allowed only in pre-defined and designated areas for eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan;

(ii) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism, eco-education and eco-development;

(iii) until the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel, resort or commercial establishment construction shall be permitted within Eco-sensitive Zone area.

(4) Natural heritage.- All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation as a part of the Zonal Master Plan.

(5) Man-made heritage sites.- Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be identified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their conservation shall be prepared as part of the Zonal Master Plan.

(6) Noise pollution. - Prevention and control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone shall be complied in accordance with the provisions of the Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 under the Environment Act.

(7) Air pollution.- Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be compiled in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made thereunder.

(8) Discharge of effluents.- Discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the General Standards for Discharge of Environmental Pollutants covered under the Environment Act and the rules made thereunder or standards stipulated by State Government whichever is more stringent.

(9) Solid wastes.- Disposal and Management of solid wastes shall be as under:-

(a) the solid waste disposal and management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number S.O. 1357 (E), dated the 8th April, 2016; the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone;

(b) safe and Environmentally Sound Management (ESM) of Solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-sensitive Zone.

(10) Bio-Medical Waste.– Bio Medical Waste Management shall be as under:-

(a) The Bio-Medical Waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 343 (E), dated the 28th March, 2016.

(b) Safe and Environmentally Sound Management of Bio-Medical Wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within the Eco-sensitive Zone.

(11) Plastic waste management.- The plastic waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 340(E), dated the 18th March, 2016, as amended from time to time**.**

(12) Construction and demolition waste management.- The construction and demolition waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 317(E), dated the 29th March, 2016, as amended from time to time.

(13) E-waste.- The E - waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, as amended from time to time.

(14) Vehicular traffic.– The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master plan is prepared and approved by the Competent Authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.

(15) Vehicular pollution.- Prevention and control of vehicular pollution shall be incompliance with applicable laws and efforts shall be made for use of cleaner fuels.

(16) Industrial units.– (i) On or after the publication of this notification in the Official Gazette, no new polluting industries shall be permitted to be set up within the Eco-sensitive Zone.

(ii) Only non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per the classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless so specified in this notification, and in addition, the non-polluting cottage industries shall be promoted.

(17) Protection of hill slopes.- The protection of hill slopes shall be as under:-

(a) the Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted;

(b) construction shall not be permitted on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion.

4. List of activities prohibited or to be regulated within Eco-sensitive Zone.- All activities in the Eco-sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment Act and the rules made thereunder including the Coastal Regulation Zone, 2011 and the Environmental Impact Assessment Notification, 2006 and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (16 of 1927), the Wildlife (Protection) Act, 1972 (53 of 1972), and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

TABLE

S. No. (1)	Activity (2)	Description (3)
	A. Prohibited Activities	
1.	Commercial mining, stone quarrying and crushing units.	(a) All new and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units are prohibited with immediate effect except for meeting the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses and for manufacture of country tiles or bricks for housing and for personal consumption; (b) The mining operations shall be carried out in accordance with the order of the Hon'ble Supreme Court dated the 4th August, 2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995 and dated the 21st April, 2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012.
2.	Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.).	New industries and expansion of existing polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall not be permitted: Provided that non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless otherwise specified in this notification and in addition the non-polluting cottage industries shall be promoted.
3.	Establishment of major hydro-electric project.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
4.	Use or production or processing of any hazardous substances.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
5.	Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
6.	Setting up of new saw mills.	New or expansion of existing saw mills shall not be permitted within the Eco-sensitive Zone.
7.	Setting up of brick kilns.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
	B. Regulated Activities	
8.	Commercial establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone, whichever is nearer, except for small temporary structures for eco-tourism activities: Provided that, beyond one kilometer from the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone whichever is nearer, all new tourist activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and guidelines as applicable.

9.	Construction activities.	(a) New commercial construction of any kind shall not be permitted within one kilometer from the boundary of the protected area or upto extent of the Eco-sensitive Zone, whichever is nearer: Provided that, local people shall be permitted to undertake construction in their land for their use including the activities mentioned in sub-paragraph (1) of paragraph 3 as per building bye-laws to meet the residential needs of the local residents. Provided further that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations, if any. (b) Beyond one kilometer it shall be regulated as per the Zonal Master Plan.
10.	Small scale non polluting industries.	Non polluting industries as per classification of industries issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016 and non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous materials from the Eco-sensitive Zone shall be permitted by the competent Authority.
11.	Felling of trees.	(a) There shall be no felling of trees in the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the Competent Authority in the State Government. (b) The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Act and the rules made thereunder.
12.	Collection of Forest produce or Non-Timber Forest produce.	Regulated as per the applicable laws.
13.	Establishment of large-scale commercial livestock and poultry farms by firms, corporate and companies.	Regulated (except as otherwise provided) as per the applicable laws except for meeting local needs.
14.	Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures.	Regulated under applicable laws (underground cabling may be promoted).
15.	Infrastructure including civic amenities.	Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules and regulations available guidelines.
16.	Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.	Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
17.	Undertaking other activities related to tourism like flying over the Eco-sensitive Zone area by hot air balloon, helicopter, drones, Microlites, etc.	Regulated as per the applicable laws.
18.	Protection of hill slopes and river banks.	Regulated as per the applicable laws.
19.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated for commercial purpose under applicable laws.
20.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture	Permitted as per the applicable laws for use of locals.

	and fisheries.	
21.	Discharge of treated waste water or effluents in natural water bodies or land area.	The discharge of treated waste water or effluents shall be avoided to enter into the water bodies and efforts shall be made for recycle and reuse of treated waste water. Otherwise the discharge of treated waste water or effluent shall be regulated as per the applicable laws.
22.	Commercial extraction of surface and ground water.	Regulated as per the applicable laws.
23.	Open Well, Bore Well, etc. for agriculture or other usage.	Regulated and the activity should be strictly monitored by the appropriate authority.
24.	Solid waste management.	Regulated as per the applicable laws.
25.	Introduction of exotic species.	Regulated as per the applicable laws.
26.	Eco-tourism.	Regulated as per the applicable laws.
27.	Use of polythene bags.	Regulated as per the applicable laws.
28.	Commercial sign boards and hoardings.	Regulated as per the applicable laws.
29.	Use of Fire Crackers.	Regulated as per the applicable laws.
30.	Charcoal Burning.	Regulated as per the applicable laws.
C. Promoted Activities		
31.	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
32.	Organic farming.	Shall be actively promoted.
33.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
34.	Cottage industries including village artisans, etc.	Shall be actively promoted.
35.	Use of renewable energy and fuels.	Bio-gas, solar light, etc. shall be actively promoted.
36.	Agro-Forestry.	Shall be actively promoted.
37.	Plantation of Horticulture and Herbals.	Shall be actively promoted.
38.	Use of eco-friendly transport.	Shall be actively promoted.
39.	Skill Development.	Shall be actively promoted.
40.	Restoration of degraded land/ forests/ habitat.	Shall be actively promoted.
41.	Environmental awareness.	Shall be actively promoted.

5. Monitoring Committee for Monitoring the Eco-sensitive Zone Notification.- For effective monitoring of the provisions of this notification under sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986, the Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee, comprising of the following, namely:-

Sl. No.	Constituent of the Monitoring Committee	Designation
(1)	The District Collector, Ramanathapuram	Chairman, ex officio;
(2)	A representative of non-government organisation working in the field of wildlife conservation to be nominated by the State Government	Member;
(3)	An expert in Biodiversity nominated by the State Government	Member;
(4)	An expert in Ecology and Environment to be nominated by the State Government	Member;

(5)	A representative from State Public Works Department	Member;
(6)	A representative from State Pollution Control Board	Member;
(7)	Wildlife Warden, Gulf of Mannar Marine National Park, Ramanathapuram	Member-Secretary.

6. Terms of reference. – (1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.

(2) The tenure of the Monitoring committee shall be for three years or till the re-constitution of the new Committee by the State Government and subsequently the Monitoring Committee shall be constituted by the State Government.

(3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.

(4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forest number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.

(5) The Member-Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Deputy Commissioner(s) shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment Act, against any person who contravenes the provisions of this notification.

(6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.

(7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on the 31st March of every year by the 30th June of that year to the Chief Wildlife Warden in the State as per proforma appended at **Annexure- V**.

(8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

7. The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

8. The provisions of this notification shall be subject to the orders, if any passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or the High Court or the National Green Tribunal.

[F. No. 25/11/2018-ESZ]

Dr. SATISH C. GARKOTI, Scientist 'G'

ANNEXURE- I

BOUNDARY DESCRIPTION OF ECOSENSITIVE ZONE OF SAKKARAKOTTAI BIRD SANCTUARY

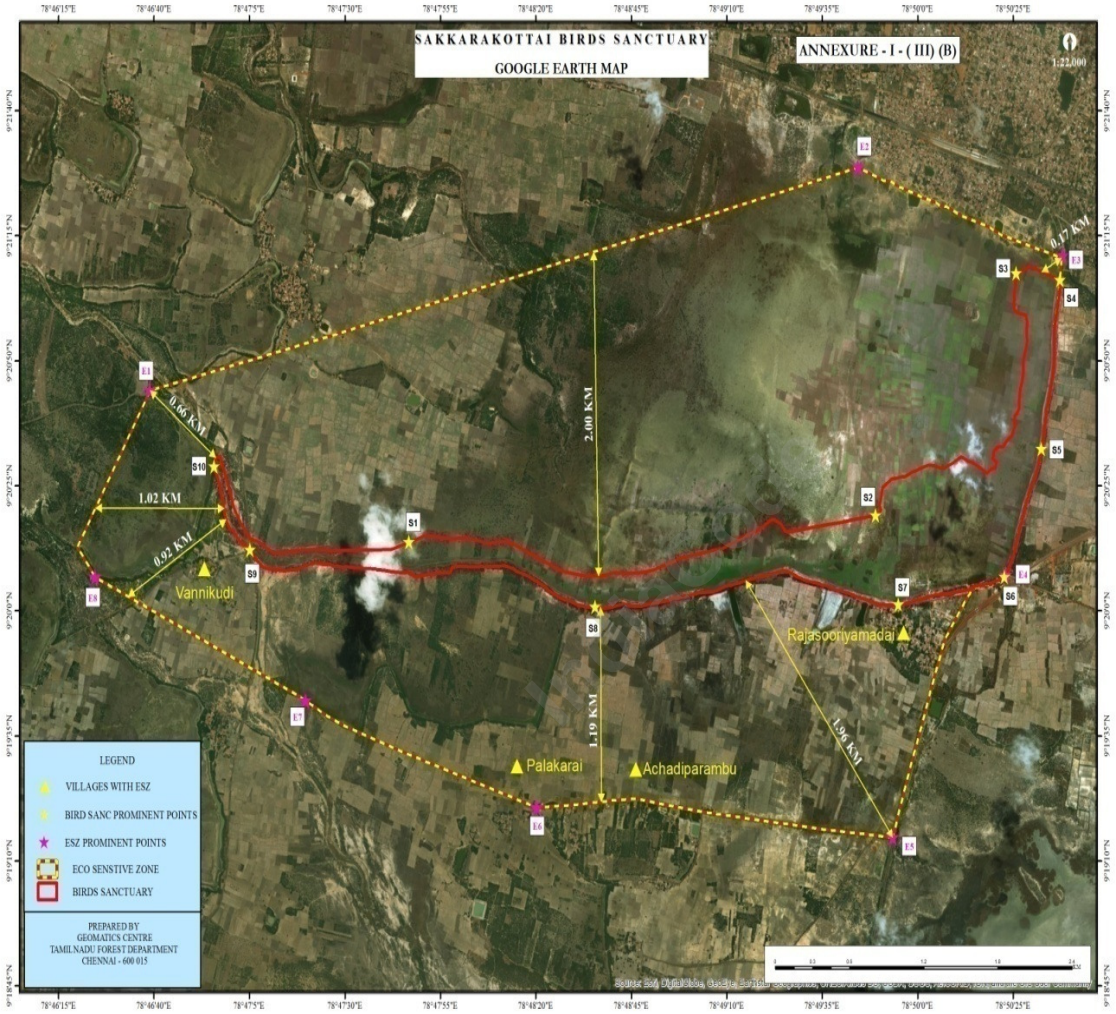
North	Starts from a junction on Vannan Oorani. Thence the boundary travels in eastern direction along the road which runs south of MSK Nagar and Pasumon Nagar till it reaches a point on Keelakarai – Ramnad highway.
North East	From the interception point on the East Coast Road the boundary travels along the Ramnad – Keelakarai highway in Southern direction along the sanctuary boundary.

East	Thence the boundary travels adjoining to the Keelakarai – Ramnad ECR highway along the sanctuary boundary in southern direction till the interception point of Rajasooraimadai village approach road on the Keelakarai – Ramnad ECR highway.
South East	Thence the boundary travels along the Ramnad – Keelakarai ECR highway till the interception point of Palkarai village approach road on the Keelakarai – Ramnad ECR highway.
South	The boundary travels 1.2 Km.south of Sakkarakottai Kanmoi along the Palkarai village approach road till it reaches Palkarai village.
South West	Thence the boundary proceeds along the bund of Vittanur North Kanmoi till it reaches the southwestern bund of Vannigudi kanmoi.
West	Thence the boundary travels along the bund of Vannigudi kanmoi in southwest direction till the western most tip of Vannigudi Kanmoi. Thence the boundary travels northern direction till it touches the Ekkagudi – Puttendal village road.
North West	Thence the boundary travels in north eastern direction along the southern bund of Puttendal Kanmoi till it touches the start point near Vannan Oorani.

IndiaCode

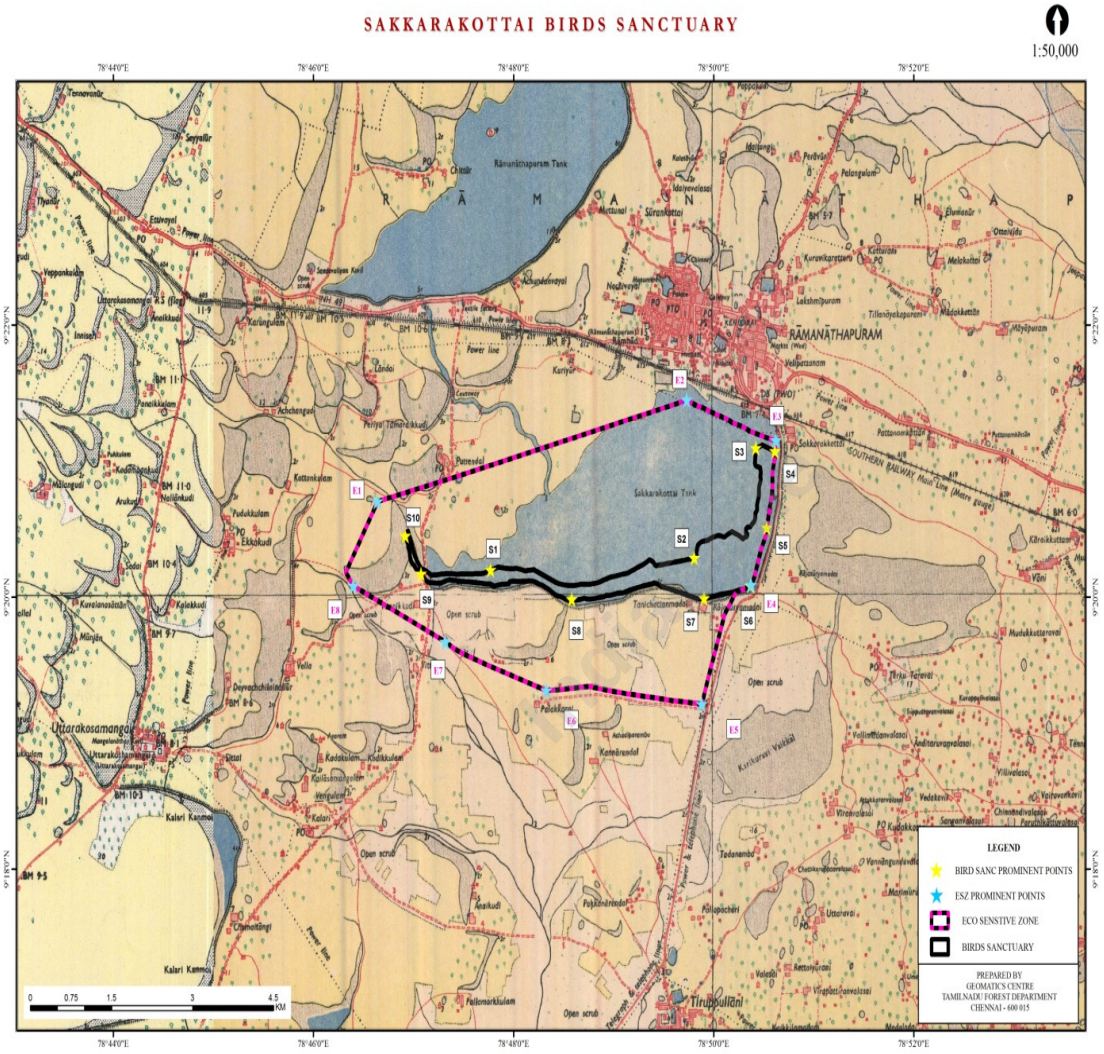
ANNEXURE-IIA

GOOGLE MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF SAKKARAKOTTAI BIRD SANCTUARY ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS



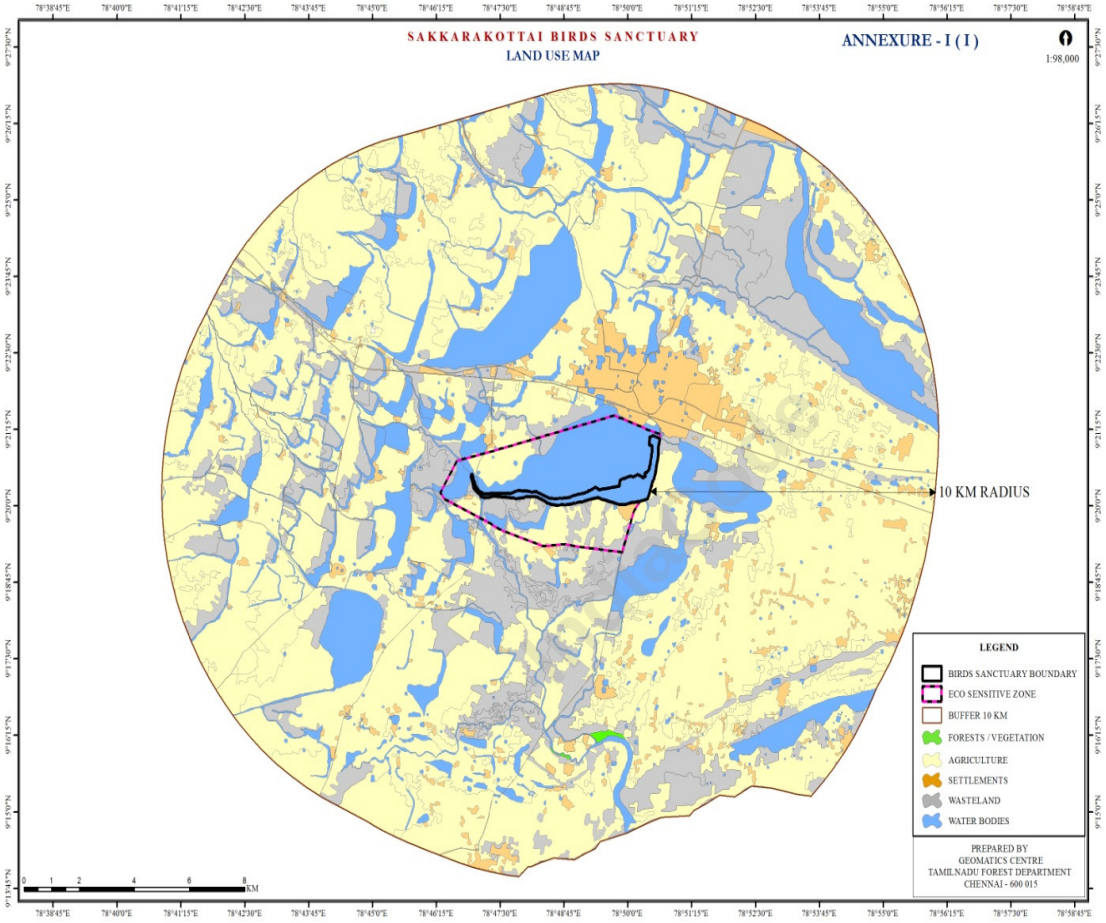
ANNEXURE-IIB

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF SAKKARAKOTTAI BIRD SANCTUARY ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS ON SURVEY OF INDIA (SOI) TOPOSHEET



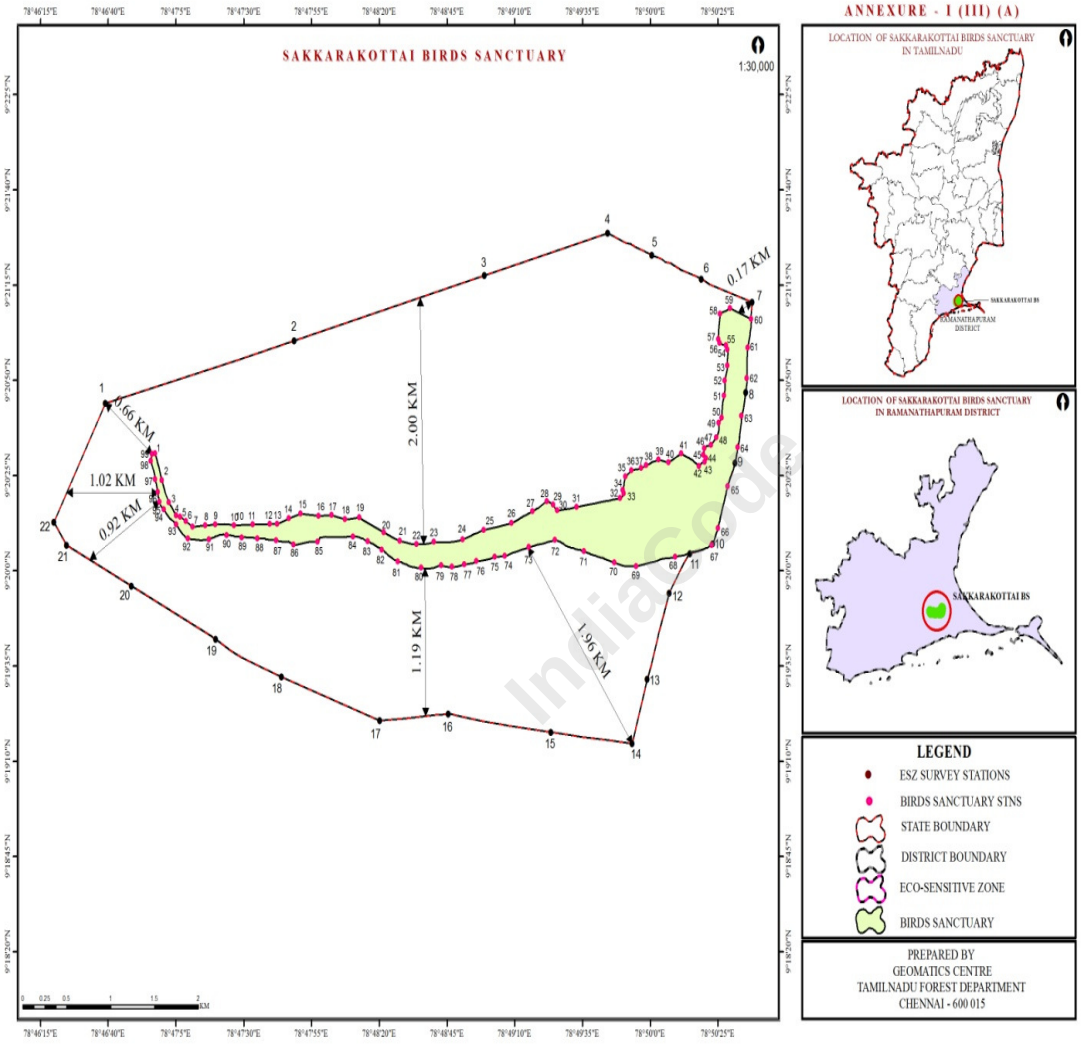
ANNEXURE-IIC

MAP SHOWING LANDUSE PATTERN OF ECO-SENSITIVE ZONE OF SAKKARAKOTTAI BIRD SANCTUARY IN 10 KM BUFFER ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS



ANNEXURE-IID

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF SAKKARAKOTTAI BIRD SANCTUARY ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS



ANNEXURE-III

TABLE A: GEO- COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF SAKKARAKOTTAI BIRD SANCTUARY

S. No.	Identification of prominent points	Location / Direction of Prominent Point	Latitude (N) DMS format	Longitude (E) DMS format
1	1	NW	78°46'57.3276"	9°20'30.7464"
2	2	NW	78°46'59.8512"	9°20'23.7696"
3	3	NW	78°47'2.4504"	9°20'17.988"
4	4	NW	78°47'5.136"	9°20'14.5176"
5	5	NW	78°47'6.6192"	9°20'14.0892"
6	6	NW	78°47'8.6928"	9°20'13.0128"

7	7	NW	78°47'11.2128"	9°20'11.5836"
8	8	N	78°47'15.8856"	9°20'11.868"
9	9	N	78°47'19.5252"	9°20'12.1992"
10	10	N	78°47'26.4228"	9°20'11.9724"
11	11	N	78°47'33.3816"	9°20'12.1128"
12	12	N	78°47'39.6744"	9°20'12.228"
13	13	N	78°47'42.3744"	9°20'12.318"
14	14 (S1)	N Northern margin of Sakkarakottai Kanmoi	78°47'46.7448"	9°20'13.7292"
15	15	N	78°47'51.036"	9°20'15.0576"
16	16	N	78°47'57.678"	9°20'14.424"
17	17	N	78°48'2.43"	9°20'14.568"
18	18	N	78°48'7.3908"	9°20'13.506"
19	19	N	78°48'12.7044"	9°20'13.9596"
20	20	N	78°48'21.78"	9°20'10.0608"
21	21	N	78°48'27.63"	9°20'7.8216"
22	22	N	78°48'33.8868"	9°20'6.9972"
23	23	N	78°48'40.3056"	9°20'7.584"
24	24	N	78°48'50.9076"	9°20'8.2536"
25	25	N	78°48'58.6692"	9°20'10.7376"
26	26	N	78°49'8.904"	9°20'12.534"
27	27	N	78°49'16.6404"	9°20'15.648"
28	28	N	78°49'21.9288"	9°20'18.2472"
29	29	N	78°49'24.24"	9°20'17.3184"
30	30	N	78°49'25.7916"	9°20'15.8064"
31	31	N	78°49'32.9268"	9°20'16.746"
32	32 (S2)	N Northern Margin of Sakkarakottai Kanmoi	78°49'49.0152"	9°20'19.0536"
33	33	N	78°49'50.3652"	9°20'20.31"
34	34	N	78°49'50.0124"	9°20'21.138"
35	35	N	78°49'50.898"	9°20'24.72"
36	36	N	78°49'53.1408"	9°20'26.3832"
37	37	N	78°49'56.7084"	9°20'26.9412"
38	38	N	78°49'58.548"	9°20'27.762"
39	39	N	78°50'3.1452"	9°20'29.1336"

IndiaCode

40	40	N	78°50'6.8388"	9°20'28.4496"
41	41	NE	78°50'11.5008"	9°20'30.7464"
42	42	NE	78°50'18.0816"	9°20'27.5136"
43	43	NE	78°50'20.2164"	9°20'28.536"
44	44	NE	78°50'20.6304"	9°20'29.5008"
45	45	NE	78°50'19.662"	9°20'30.4044"
46	46	NE	78°50'20.1156"	9°20'32.1432"
47	47	NE	78°50'22.5312"	9°20'32.9532"
48	48	NE	78°50'24.5364"	9°20'35.0052"
49	49	NE	78°50'25.386"	9°20'38.8356"
50	50	NE	78°50'26.4588"	9°20'40.2252"
51	51	NE	78°50'27.3804"	9°20'45.96"
52	52	NE	78°50'27.6"	9°20'49.9344"
53	53	NE	78°50'28.6188"	9°20'53.8044"
54	54	NE	78°50'28.6296"	9°20'58.002"
55	55	NE	78°50'28.1508"	9°20'59.172"
56	56	NE	78°50'25.7568"	9°20'59.784"
57	57	NE	78°50'25.2024"	9°21'0.7812"
58	58 (S3)	NE Northern tip of Sakkarakottai Kanmoi	78°50'25.8504"	9°21'7.4304"
59	59	N	78°50'29.6196"	9°21'8.8848"
60	60 (S4)	NE Northern tip on Sakkarakottai Tank bund along Ramnad - Keelakarai Road	78°50'37.3272"	9°21'5.9004"
61	61	NE	78°50'36.0744"	9°20'58.4988"
62	62	NE	78°50'35.7252"	9°20'50.5104"
63	63	NE	78°50'33.8244"	9°20'40.6068"
64	64 (S5)	E Along the Eastern bund on Ramnad - Keelakarai Road	78°50'32.4456"	9°20'32.3592"
65	65	E	78°50'28.5972"	9°20'22.2792"
66	66	E	78°50'25.0836"	9°20'11.112"
67	67 (S6)	SE South Eastern tip of Sakkarakottai Tank Bund along Ramnad - Keelakarai Road	78°50'22.7292"	9°20'6.7056"
68	68	SE	78°50'9.3336"	9°20'3.6888"
69	69 (S7)	S Southern bund of Sakkarakottai tank	78°49'58.062"	9°20'1.5396"

IndiaCode

70	70	S	78°49'46.7544"	9°20'2.1408"
71	71	S	78°49'35.6988"	9°20'5.1252"
72	72	S	78°49'24.87"	9°20'8.1132"
73	73	S	78°49'15.3408"	9°20'6.18"
74	74	S	78°49'6.3588"	9°20'3.84"
75	75	S	78°49'2.6472"	9°20'3.6528"
76	76	S	78°48'55.9692"	9°20'2.5872"
77	77	S	78°48'51.5268"	9°20'1.662"
78	78	S	78°48'46.854"	9°20'1.1328"
79	79	S	78°48'42.03"	9°20'1.6908"
80	80 (S8)	S Southern Bund of Sakkarakottai Tank towards western portion of Kanmoi	78°48'35.5464"	9°20'0.7908"
81	81	S	78°48'26.8956"	9°20'2.4216"
82	82	S	78°48'20.9628"	9°20'5.5248"
83	83	S	78°48'15.7572"	9°20'7.6596"
84	84	S	78°48'10.386"	9°20'8.952"
85	85	S	78°47'57.3036"	9°20'7.6344"
86	86	S	78°47'48.4512"	9°20'6.8136"
87	87	S	78°47'41.9568"	9°20'7.908"
88	88	S	78°47'35.1132"	9°20'8.484"
89	89	S	78°47'29.3532"	9°20'8.7396"
90	90	S	78°47'23.73"	9°20'9.3696"
91	91	SW	78°47'17.2032"	9°20'8.2644"
92	92	SW	78°47'9.4848"	9°20'8.4624"
93	93 (S9)	SW Intersection point of Vannigudi approach road on Ramnad - Kalari Road	78°47'5.1072"	9°20'12.1236"
94	94	SW	78°47'0.51"	9°20'16.1268"
95	95	W	78°46'58.9368"	9°20'18.0276"
96	96	W	78°46'58.2924"	9°20'20.616"
97	97	W	78°46'57.3744"	9°20'24.0108"
98	98 (S10)	NW On Vannigudi Tank Bund	78°46'55.7184"	9°20'28.7808"
99	99	NW	78°46'56.2368"	9°20'30.6384"

IndiaCode

TABLE B: GEO-COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF ECO-SENSITIVE ZONE

S. No.	Identification of prominent points	Location / Direction of Prominent Point	Latitude (N) DMS format	Longitude (E) DMS format
1	1 (E1)	NW Northwestern tip of Vannigudi Kanmoi	78°46'39.0216"	9°20'44.0628"
2	2	N	78°47'48.6096"	9°21'1.0476"
3	3	N	78°48'58.77"	9°21'17.802"
4	4 (E2)	N Southern tip of Vannan Oorani	78°49'44.4468"	9°21'28.6848"
5	5	N	78°50'0.7584"	9°21'22.878"
6	6	N	78°50'18.9744"	9°21'16.506"
7	7 (E3)	NE North of Sakkarakottai Kanmoi on Ramnad-Keelakarai Road	78°50'37.6044"	9°21'10.098"
8	8	E	78°50'35.4192"	9°20'46.8816"
9	9	E	78°50'31.4052"	9°20'28.3344"
10	10 (E4)	E South Eastern boundary of Sakkarakottai Tank along the Ramnad - Keelakarai Road	78°50'23.0568"	9°20'7.1556"
11	11	E	78°50'14.6832"	9°20'4.4772"
12	12	E	78°50'7.0764"	9°19'54.0984"
13	13	SE	78°49'58.9872"	9°19'31.53"
14	14 (E5)	SE Intersection point of Palkarai approach road on Ramnad - Keelakarai Road	78°49'53.454"	9°19'14.7072"
15	15	S	78°49'23.4444"	9°19'17.6484"
16	16	S	78°48'45.4968"	9°19'22.4328"
17	17 (E6)	S Palkarai Village Road	78°48'20.2176"	9°19'20.658"
18	18	S	78°47'43.9584"	9°19'32.2464"
19	19 (E7)	SW Vittanoor North Kanmoi Bund	78°47'19.5684"	9°19'41.8512"
20	20	SW	78°46'48.396"	9°19'55.6104"
21	21 (E8)	W Vannigudi Kanmoi western bund	78°46'24.564"	9°20'6.5616"
22	22	W	78°46'20.1072"	9°20'12.6348"

ANNEXURE-IV

LIST OF VILLAGES COMING UNDER ECO-SENSITIVE ZONE OF SAKKARAKOTTAI BIRD SANCTUARY ALONG WITH GEO-COORDINATES

Sl. No	Village Name	Tehsil/ Taluk	District	Latitude (DMS format)	Longitude (DMS format)
1	Rajasooriyamadai	Ramanathapuram	Ramanathapuram	9°19'52.64"	78°50'2.50"
2	Palakarai	Ramanathapuram	Ramanathapuram	9°19'17.74"	78°48'12.21"
3	Vannikudi	Ramanathapuram	Ramanathapuram	9°20'8.49"	78°46'53.18"
4	Achadiparambu	Ramanathapuram	Ramanathapuram	9°19'14.55"	78°48'29.65"

ANNEXURE –V

Performa of Action Taken Report:

1. Number and date of meetings.
2. Minutes of the meetings: (mention noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate Annexure).
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan.
4. Summary of cases dealt with rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise). Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.

IndiaCode

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054. ALOK KUMAR Digitally signed by ALOK KUMAR Date: 2019.12.17 12:27:48 +05'30'